twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 16 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 213, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

परिवर्तनकारी युग लेकर आया योगी का शासनकाल: शाह

60,244 नवनियुक्त पुलिस कार्मिकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए शाह

लखनऊ

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में रविवार को लखनऊ के वृंदावन योजना, सेक्टर 18 स्थित डिफेंस एक्स्पो ग्राउंड में आयोजित एक भव्य समारोह में 60,244 नवनियुक्त पुलिस कार्मिकों को नियुक्तिपत्र वितरित किये गये। इस ऐतिहासिक आयोजन में अपने संबोधन में अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी और समावेशी भर्ती प्रक्रिया के लिए जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने न केवल भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और योग्यता आधारित बनाया, बल्कि हर जाति, जिले और तहसील के युवाओं को अवसर प्रदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शाह ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इन नियुक्तियों में न खर्च, न पर्ची, न शिफारिश और न ही जाति के आधार पर कोई भेदभाव हुआ, बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता के आधार पर संपन्न हुई।

यूपी पुलिस देश का सबसे बड़ा पुलिसबल : अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश का सबसे बड़ा पुलिसबल है और आज 60,244 युवा इसके अभिन्न अंग बन रहे हैं।

उन्होंने इस दिन को नवनियुक्त कार्मिकों के जीवन का सबसे शुभ दिन करार देते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है। शाह ने बताया कि इनमें 12 हजार

महिलाओं के लिए आरक्षित पदों का मिल रहा लाभ

शाह ने कहा कि इस दिन को नवनियुक्त कार्मिकों के जीवन का सबसे शुभ दिन करार देते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है। शाह ने बताया कि इनमें 12 हजार से अधिक बेटियां भी शामिल हैं, जिनके चेहरों पर खुशी देखकर उन्हें अपार सुकून मिला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षित पदों का शत-प्रतिशत लाभ उत्तर प्रदेश में सुनिश्चित किया गया है, जो योगी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। 2017 के बाद आए बदलावों की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती रही थी।

शाह ने पारदर्शी भर्ती और तकनीक के योगदान की सराहना

केंद्रीय गृह मंत्री ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग, जैसे कि कैमरे, कंट्रोल रूम, कमांड सेंटर, पीसीआर वैन और 150 से अधिक ऑन-व्हील फॉरेंसिक साइंस लैब वैन ने इस प्रक्रिया को और निष्पक्ष बनाया है। शाह ने दावा किया कि 60,244 युवाओं में से किसी को भी एक पाई की रिश्वत नहीं देनी पड़ी, जो किसी भी शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि यह भर्ती प्रक्रिया न केवल पारदर्शी थी, बल्कि इसमें हर वर्ग और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया।

शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पुलिसबल के आधुनिकीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य संहिता जैसे नए कानूनों के लागू होने से अगले पांच वर्षों में देश में ऐसी व्यवस्था बनेगी, जिसमें किसी भी एफआईआर से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का न्याय तीन साल के भीतर मिल सकेगा। इसके अलावा, सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स), आईसीजेएस (इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) और फॉरेंसिक साइंस जैसी तकनीकों ने पुलिस व्यवस्था को और मजबूत किया है। अमित शाह ने यूपी पुलिस के नवनियुक्त कार्मिकों से पूरे मन से सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि करीब चार लाख सदस्यों वाले इस पुलिसबल का हिस्सा बनना गर्व की बात है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को एक बार फिर धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी पारदर्शी और समावेशी नीतियों ने यूपी पुलिस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

एअर इंडिया देगा मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये

शाह ने नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ सरकार की सख्त नीति की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि 11 राज्यों में फैला नक्सलवाद अब केवल तीन जिलों तक सीमित रह गया है, और 31 मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ भी मोदी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। शाह ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा तीन बार आतंकी हमलों का प्रयास किया गया, लेकिन भारत ने हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया और आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने आतंकियों के मुख्यालयों को चूर-चूर कर दिया।

अमृत काल में यूपी पुलिस की भूमिका की चर्चा

अमित शाह ने नवनियुक्त कार्मिकों से कहा कि वे अमृत काल में यूपी पुलिस का हिस्सा बन रहे हैं और 2047 तक जब भारत विश्व में सर्वप्रथम स्थान पर होगा, तब यूपी का योगदान सबसे बड़ा होगा। उन्होंने युवाओं से सुरक्षा, सेवा और संवेदनशीलता के मंत्र के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। शाह ने कहा कि यूपी पुलिस का डर गुंडों और माफियाओं पर सख्त होना चाहिए, लेकिन गरीब, पिछड़े, और आदिवासी समुदायों के लिए पुलिस को मसीहा के रूप में दिखना चाहिए।

ब्रिटिश नौसेना के लड़ाकू विमान की तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली

ब्रिटिश नौसेना के लड़ाकू विमान एफ-35 ने शनिवार रात ईंधन कम होने के कारण तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की है। भारतीय वायु सेना ने उड़ान सुरक्षा कारणों से तत्काल सहायता पहुंचाई और आगे भी सभी मदद दी जा रही है। विमान रविवार को भी तिरुवनंतपुरम में ही है, इसलिए वायु सेना सभी एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। विमान में ईंधन भरने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार है। भारतीय वायु सेना के अधिकारी ने बताया कि यूके नौसेना के एफ-35 लड़ाकू विमान ने इस क्षेत्र में संचालित एक ब्रिटिश विमानवाहक पोत से उड़ान भरी और रात करीब 9.30 बजे तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा।

जेट की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डे के अधिकारियों ने आपातकाल का ऐलान किया था। पायलट ने ईंधन कम होने की सूचना दी और उतरने की अनुमति मांगी। ईंधन कम होने के कारण तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। इसके बाद सब कुछ जल्दी और पेशेवर तरीके से संभाला गया। भारतीय वायु सेना ने ब्रिटिश एफ-35 की आपातकालीन लैंडिंग को डायवर्सन की सामान्य घटना बताया है। इस घटना से आईएएफ पूरी तरह से अवगत है और उड़ान सुरक्षा कारणों से विमान की सहायता की है। आगे भी विमान को सभी तरह की सहायता दी जा रही है और सभी एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। एफ-35 लड़ाकू विमान को फिलहाल कड़ी सुरक्षा के बीच हवाई अड्डे पर खड़ा किया गया है।

सोनप्रयाग से केदारनाथ की यात्रा रोकी गई

रुद्रप्रयाग

बारिश के बाद आज केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर भारी संख्या में पत्थर गिरे हैं। वहीं, जंगलचट्टी के पास मार्ग पर बोल्डर गिरने से मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले मार्ग पर अग्रिम आदेशों तक के लिए आवाजाही रोक दी गई है।

विज्ञान-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नीतिगत बदलाव, विवि आसानी से खरीद सकेंगे शोध उपकरण

नई दिल्ली

देश में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने रविवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कई बड़े नीतिगत बदलावों की घोषणा की। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में प्रेस वार्ता के दौरान इन सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों से शोधकताओं, वैज्ञानिकों और अकादमिक संस्थानों को लंबे समय से चली आ रही अड़चनों से राहत मिलेगी। डॉ. सिंह ने बताया कि अब विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और वैज्ञानिक संस्थानों के निदेशकों को यह अधिकार होगा कि वे विशिष्ट शोध उपकरणों की गैर-जीईएम माध्यम

से भी खरीद कर सकें। पहले केवल सरकारी ई-मार्केटप्लेस से खरीद की अनिवार्यता थी, भले ही वहां आवश्यक वस्तु उपलब्ध न हो। अब प्रत्यक्ष खरीद की सीमा एक लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी गई है। विभागीय समितियों द्वारा की जाने वाली खरीद की सीमा एक लाख से दस लाख रुपये के स्थान पर अब दो लाख से पच्चीस लाख रुपये होगी। वहीं सीमित निविदा और खुली निविदा की सीमा पचास लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दी गई है।

पीएम मोदी पहुंचे साइप्रस, राष्ट्रपति ने किया भव्य स्वागत

व्यापार और निवेश को मिलेगी नई गति

लारनाका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी तीन देशों की महत्वपूर्ण यात्रा के पहले चरण में रविवार को साइप्रस पहुंचे। लारनाका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस के विशेष निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 15-16 जून को साइप्रस की आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा पर हैं। यह यात्रा भारत और साइप्रस के बीच आर्थिक, निवेश, रक्षा और सांस्कृतिक साझेदारी को और

प्रगाढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने साइप्रस पहुंचने पर ट्वीट किया, "साइप्रस पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष सम्मान के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के प्रति आभार। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में।"

तीन देशों की यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा तीन देशों को कवर कर रही है, जिसके अंतर्गत साइप्रस प्रवास के दौरान पीएम मोदी वहां के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसमें व्यापार, डिजिटल साझेदारी, ऊर्जा सहयोग, और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा प्रमुख रहेगी। दोनों देशों के बीच समझौतों पर भी हस्ताक्षर होने की संभावना है। इसके बाद, 16-17 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कनाडा का दौरा करेंगे, जहां वो जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी जी-7 देशों के नेताओं, अन्य आमंत्रित आउटरीच देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। जिनमें ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार, विशेष रूप से एआई-ऊर्जा संबंध और क्वांटम-संबंधी मुद्दे शामिल होंगे।

हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, सभी 7 लोगों की मौत

रुद्रप्रयाग

केदारनाथ से गुप्तकाशी लौट रहा हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के ऊपरी तरफ गौरी माई खर्क में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 23 माह की बालिका सहित 7 लोगों की मौत हो गई। खराब मौसम को हेलिकॉप्टर दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर शवों को बरामद किया। रविवार सुबह 5.21 बजे केदारनाथ हेलिपैड से आर्यन हेली कंपनी के हेलिकॉप्टर ने छह यात्रियों के साथ गुप्तकाशी के लिए टेकऑफ किया था। करीब 4 मिनट बाद यह हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के ठीक ऊपर गौर माई खर्क में खराब मौसम के कारण एक पेड़ से टकरा गया। हादसे में पायलट सहित हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में मरने वालों में राजकुमार सुरेश जयसवाल (41) निवासी नंदीपेरा रोड सैन मंदिर महाराष्ट्र, श्रद्धा सुरेश जयसवाल (35), काशी (23 महीने) पुत्री राजकुमार सुरेश पायटल कैप्टर राजीव, राजस्थान, विनोद देवी (66), निवासी बिजनौर यूपी और तुष्टि सिंह (19) शामिल हैं।

डीडीआरएफ, पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू में जुट गये। सभी शवों को बरामद किया गया। घटनास्थल पर हेलिकॉप्टर का मलबा पड़ा है, जो बुरी तरह से जला हुआ है। केदारनाथ यात्रा हेलिकॉप्टर सेवा नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर अचानक पेड़ से टकरा गया, जिससे यह हादसा हुआ है। घटना के बारे में सभी के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

मथुरा में टीले पर बने सात मकान ढहने से कई मलबे में दबे, बचाव कार्य जारी

मथुरा

थाना गोविन्द नगर क्षेत्र अंतर्गत कच्ची सड़क क्षेत्र स्थित कृष्ण गंगा में सुनील चैन के बाड़े में रविवार कोनिर्माण कार्य के दौरान टीले पर बने सात मकान अचानक ढह गए। इसके मलबे में दबकर छह साल की दो सगी बहनों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। अभी एक दर्जन लोगों के दबे होने की आशंका है। प्रशासन राहत कार्य में जुटा है। मौके पर डीएम व एसएसपी की देखरेख में फायर ब्रिगेड, सिविल डिफेंस की टीमें राहत एवं बचाव

कार्य जुटी हैं। कृष्ण गंगा में एक बाड़े में करीब पांच मंजिल ऊंचे टीले पर कई मकान बने हुए थे। इस जमीन के पार्टनर सुनील चैन जीर्ण शीर्ण टीले को हटाने के लिए दीवार बनवाने का काम करीब एक सप्ताह से करवा रहे थे। कार्य के दौरान आज दोपहर करीब सवा 12 बजे अचानक टीले की मिट्टी धंस गई और आधा दर्जन मकानों के हिस्से ढह गए। जिससे वहां दीवार निर्माण में लगे मजदूरों के अलावा कई मकानों के लोग भी मलबे में दब गए। सूचना पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। शाम तक मलबे से तीन शव निकाले जा चुके थे। जिनमें दो सगी बहनें और एक युवक है। युवक की पहचान 33 वर्षीय तोता राम सैनी पुत्र बजरंग लाल सैनी के रूप में हुई है।

पुणे में बड़ा हादसा: इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने से दो की मौत, 32 घायल

पुणे

महाराष्ट्र के पुणे जिले में बड़ा हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक, पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कुंदामाला गांव के पास इंद्रायणी नदी पर बना एक पुल ढह गया है। इस हादसे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है, जबकि हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं छह लोगों को बचा लिया गया है।

सीएम देवेंद्र फडणवीस की प्रतिक्रिया

इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'मावल में पुल ढहने की घटना हुई है। मैंने डिविजनल कमिश्नर, तहसीलदार और पुलिस कमिश्नर से बात की है। कुछ लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

कुछ लोग फंसे भी हैं। NDRF की टीम वहां पहुंच रही है...पूरी जानकारी मिलने के बाद ही मैं इस बारे में जानकारी दूंगा। अभी प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहा है'।

रेवाड़ी को मिला विकास का बड़ा तोहफा, सीएम ने खोला घोषणाओं का पिटारा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ीवासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए घोषणाओं का पिटारा खोला। उन्होंने रेवाड़ी की पानी की आपूर्ति के लिए भगवानपुर में 9 एकड़ 7 कनाल भूमि में अतिरिक्त वाटर स्टोरेज टैंक के निर्माण के लिए 50 करोड़ 58 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, गांव डूंगरवास में पीने के पानी के लिए बूस्टिंग स्टेशन और नई पाइन लाइन बिछाने के लिए 7 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही, गांव गोकुलपुर में वॉटर वर्क्स के निर्माण और नई पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 करोड़ 6 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री आज रेवाड़ी में आयोजित धन्यवाद रैली को बतौर मुख्य अतिथि

संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने रेवाड़ी में 288 करोड़ 31 लाख रुपये लागत की 15 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 193 करोड़ 94 लाख रुपये की लागत की 8 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 94 करोड़ 37 लाख रुपये लागत की 7 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि रेवाड़ी में भूमि उपलब्ध होने पर एक बड़ी लाइब्रेरी बनाई जाएगी। साथ ही, रेवाड़ी में मार्केट कमेटी के भवन के लिए भी 4 करोड़ 39 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की पांच सड़कों के नवीनीकरण के लिए मुख्यमंत्री ने 4 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। इसी विभाग की 37.32 किलोमीटर की 18 सड़कों को संबंधित एजेंसी के माध्यम से ठीक करवाया जाएगा। इसके अलावा, रेवाड़ी में 18.48 किलोमीटर की 12 अन्य सड़कों की स्पेशल रिपेयर के लिए 3 करोड़ 36 लाख रुपये, 37.59 किलोमीटर की 25 सड़कों के नवीनीकरण के लिए 26 करोड़ 84 लाख रुपये की घोषणा की।

भारत-पाकिस्तान के बीच तीसरे की दखलंदाजी नहीं होगी : रविशंकर प्रसाद

एजेंसी

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने साफ किया कि भारत का रुख बहुत स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के रिश्ते यही दोनों तय करेंगे, इसमें किसी तीसरे की दखलंदाजी नहीं होगी। दुनिया के अधिकांश देश भारत से अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भारत में किसी भी पार्टी की सरकार रही हो, सबने पाकिस्तान से अच्छे रिश्ते की कोशिश की, लेकिन, बदले में हमें क्या मिला? दुनिया के किसी हिस्से में आतंकी घटना हो, उसमें कोई न कोई पाकिस्तानी या वहां प्रशिक्षित आतंकी जरूर मिलेगा।' ऑपरेशन सिंदूर' पर भारत का पक्ष रखने और पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर बेनकाब करने के लिए विभिन्न देशों में गए प्रतिनिधिमंडल में शामिल रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष दायित्व दिया था। हम भी यूरोप के दौरे पर गए थे। हमारी यात्रा फ्रांस से शुरू हुई। सभी लोगों का एक ही लक्ष्य था कि पाकिस्तान को बेनकाब करना है। सभी देशों ने एक स्वर में पहलगाम हिंसा की निंदा की। उन्होंने आगे कहा कि हम बताने गए थे कि अगर एक अमेरिकी और यूरोपीय नागरिक की जान की कीमत है, तो एक निर्दोष

भारतीय की जान भी कीमती है। आतंकवाद से कोई मारा जाएगा तो कार्रवाई होगी।

फ्रांस से यात्रा शुरू हुई, इसके बाद हम लोग रोम गए। इसके अलावा कई देशों में गए। हम लोगों ने वहां स्पष्ट किया कि हम नागरिकों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन पाकिस्तान की समस्या है कि वहां के जनरल पाकिस्तान चला रहे हैं। वे अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए आतंकवादियों का प्रयोग करते हैं। वे न जनता के चुने हुए हैं, न जनता के उत्तरदायी हैं। सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जब अमेरिका ओसामा बिन लादेन को मारने 12 हजार किलोमीटर जा सकता है, तो हम चार सौ किलोमीटर क्यों नहीं जा सकते हैं। हमने रात को ऑपरेशन किया और सुबह बताया भी। जब हमने एयर डिफेंस बर्बाद कर दिया, तब पाकिस्तान घुटनों पर आया और तब फोन किया। भारत आज चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि जनता और नेता अपना देश बनाते हैं। पाकिस्तान की सेना ने अपने लिए पाकिस्तान बनाया। पाकिस्तान आज जनरल की दुकान बन गई है। दुनिया ने सराहा है कि आतंकवाद और देश की एकता के मुद्दे पर पूरा देश एक है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए सवालिया अंदाज में कहा कि उन्हें विदेश नीति की समझ है? राहुल को पता नहीं है, उनके फालतू सवाल से पाकिस्तान को शह मिलती है। उन्होंने राजद प्रमुख लालू यादव के पैर के पास बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर रखे जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जिसने भी इस तस्वीर को रखा, वह इस दरबारी संस्कृति में क्या कर रहा है? कम से कम लालू यादव को समझना चाहिए था। अंबेडकर देश के मसीहा हैं, उन्होंने देश को संविधान दिया।

संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने नहीं किया विचार, प्रियंका गांधी बोलीं- यह शर्मनाक और निराशाजनक

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र के गाजा से जुड़े प्रस्ताव पर विचार न करने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने केंद्र सरकार के निर्णय को शर्मनाक और निराशाजनक बताया।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,यह शर्मनाक और निराशाजनक है कि हमारी सरकार ने गाजा में नागरिकों की सुरक्षा, कानूनी और मानवीय दायित्वों को पूरा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर विचार न करने का फैसला किया है। 60,000 लोग, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं, वे पहले ही मारे जा चुके हैं और एक पूरी आबादी को बंधक बनाकर भूख से मारा जा रहा है। मगर, हम कोई कदम उठाने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा,यह हमारी औपनिवेशिक-विरोधी विरासत का दुखद उलटफेर है। वास्तव में, न केवल हम नेतन्याहू द्वारा पूरे देश को नष्ट किए जाने पर चुप खड़े हैं, बल्कि हम उनकी सरकार द्वारा ईरान पर हमला किए जाने और उसके नेतृत्व की हत्या के प्रयासों पर खुशी मना रहे हैं, जो उसकी संप्रभुता का घोर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय नियमों की पूर्ण अवमानना है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार से सवाल पूछते हुए कहा, हम, एक राष्ट्र के रूप में अपने संविधान के मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के सिद्धांतों को कैसे त्याग सकते हैं, जिन्होंने शांति और मानवता पर आधारित अंतरराष्ट्रीय मंच का मार्ग प्रशस्त किया था? इसका कोई औचित्य नहीं है। सच्चा वैश्विक नेतृत्व न्याय की रक्षा करने के साहस की मांग करता है, भारत ने अतीत में यह साहस निरंतर दिखाया है। उन्होंने कहा, एक तेजी से विभाजनकारी दुनिया में हमें मानवता के लिए अपनी आवाज को फिर से उठाना होगा और सत्य व अहिंसा के लिए निडर होकर खड़ा होना होगा। बता दें कि इजरायल-ईरान में बढ़ते तनाव के बीच शनिवार को इजरायल में आवासीय इमारतों पर मिसाइल हमले किए गए, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। इनके अलावा 34 लोग घायल हो गए।इस बीच, सुरक्षा परिषद ने इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के शीर्ष अधिकारी को चेतावनी दी है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमलों के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

लालू यादव के वीडियो पर बिहार में बवाल, बीजेपी बोली- 'बाबा साहेब का अपमान, शर्मनाक'

पटना। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन के एक कथित वीडियो पर बिहार में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। लालू प्रसाद कुर्सी पर बैठे हुए थे और कुछ नेता बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर को उनके पैरों के पास लेकर खड़े थे। भारतीय जनता पार्टी इसे बाबा साहेब का अपमान बता रही है और माफी की मांग कर रही है। बिहार बीजेपी के नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इस घटनाक्रम को लेकर लालू प्रसाद यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि लालू यादव के जन्मदिन के दिन जिस तरह बाबा साहेब का अपमान हुआ, इससे ज्यादा लोकतंत्र में शर्मसार करने वाली घटना नहीं हो सकती है। लालू प्रसाद ने बाबा साहेब का जिस तरह अपमान किया, उसके लिए माफी मांगनी चाहिए। सम्राट चौधरी ने कहा, ÷चरित्र दिखाता है कि ये लोग लोकतंत्र के राजा के तौर पर अपने आप को पेश करते हैं। किसी भी व्यक्ति का सम्मान नहीं करना, सभी को अपमानित करना ये लालू प्रसाद के डीएनए में है। पिछड़ों, अति पिछड़ों और दलित समाज को सब दिन अपमानित करने का काम जिस व्यक्ति ने किया, वो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में लालू प्रसाद यादव का वीडियो दिखाते हुए सम्राट चौधरी ने कहा, ये स्पष्ट तौर पर दिखाता है कि लालू प्रसाद के जीवन में किसी के लिए सम्मान नहीं है। ये लोग बाबा साहेब की कोई इज्जत नहीं करते हैं। आज तक उन्होंने किसी नेता, कार्यकर्ता और किसी बिहारी का कोई सम्मान नहीं किया। बिहार में जितने भी बड़े नेता हों, यदि किसी ने अपमानित करने का काम किया है तो उसका नाम सिर्फ और सिर्फ लालू प्रसाद है। बीजेपी नेता ने आरोप लगाए, लालू प्रसाद पिछड़ों, अति पिछड़ों को दबाना चाहते हैं। गुंडागर्दी के बल पर सत्ता को अर्जित करना चाहते हैं।

ईरान का एयरस्पेस बंद होने से उड़ान परिचालन बाधित, एयर इंडिया और इंडिगो ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, भारत की दो प्रमुख एयरलाइनों, एयर इंडिया और इंडिगो, ने ईरान के एयरस्पेस के बंद होने के कारण उड़ानों में देरी और रूट बदले जाने को लेकर पब्लिक एडवाइजरी जारी की है। एयर इंडिया ने कहा कि कंपनी ने ईरान का एयरस्पेस बंद होने के कारण कई उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन किया है। एयरलाइन ने घोषणा की कि यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसकी कुछ उड़ानें अब लंबे, वैकल्पिक मार्गों पर संचालित हो रही हैं। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक आधिकारिक अपडेट साझा किया, जिसमें कहा गया, ईरान और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में उभरती स्थिति के कारण हवाई क्षेत्र के बंद होने और हमारे यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए हमारी कुछ उड़ानें वैकल्पिक विस्तारित मार्गों पर चल रही हैं। हम हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण अपने यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

गृहमंत्री अमित शाह यूपी पुलिस के चयनित 60,244 आरक्षियों को सौपेंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को 15 जून को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयिजत समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। इसके लिए तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने शनिवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पत्रकारों को बताया कि डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में नवचयनित पुलिस कांस्टेबलों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की भव्य तैयारियां चल रही हैं। चयनित

अभ्यर्थियों में पुरुष और महिला शामिल हैं। हर जिले के कोने-कोने से चयनित अभ्यर्थी लखनऊ पहुंचेंगे। इसके लिए जिलों से परिवहन की समुचित व्यवस्था भी की गई है। उनके रहने, खाने और गर्मी को ध्यान में रखते हुए सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। इस आयोजन को सफल बनाने के उद्देश्य से सभी विभागों के अधिकारी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि इस परीक्षा को पारदर्शिता से कराना पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस परीक्षा से पहले तमाम परीक्षाएं हुई थीं, जिसमें कई सवाल खड़े हुऐ थे। विभागीय अधिकारियों ने इसे चैलेंज के रूप में लिया और परीक्षा को सफल बनाने में अहम भूमिक निभाई है। चयनित अभ्यर्थियोंको कल नियुक्त पत्र दिया जाएगा। इस आयोजन को देखते हुए यातायात निदेशालय ने लखनऊ, कानपुर समेत 10 जिलों में यातायात रूट डायवर्ट कर दिया है। लखनऊ में भारी वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। गृह मंत्री की लखनऊ में मौजूदगी को देखते हुए कार्यक्रम स्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गये हैं। सभी रूटों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल पर मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन लगाए जाएंगे। सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण, यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के एडीजी मुथा अशोक जैन, अशोक कुमार सिंह समेत तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे।

एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहर खाया, तीन मासूमों की मौत

एजेंसी

रायपुर। कांकेर जिले में परतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चन्दनपुर अंतर्गत ग्राम पी. व्ही. 70 शांतिनगर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने बीती देर रात जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस घटना में परिवार के तीन मासूमों की मौत हो गई है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और सबूत एकत्र किए जा रहे हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृत बच्चों की पहचान वर्षा बैरागी (11 वर्ष), दीप्ती बैरागी (7 वर्ष) और देवराज बैरागी (5 वर्ष) के रूप में हुई है। माता-पिता ने भी जहर खाकर जान देने की कोशिश की थी लेकिन समय रहते उन्हें बचा लिया गया है। फिलहाल सिविल अस्पताल पखांजूर में उनका इलाज चल रहा है।

प्रधानमंत्री कनाडा में जी7 सम्मेलन में लेंगे भाग, साइप्रस और क्रोएशिया भी जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 से 18 जून तक साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस दौरे का मुख्य केंद्र कनाडा में आयोजित होने वाला जी7 शिखर सम्मेलन है। विदेश मंत्रालय के अनुसार 16-17 जून को प्रधानमंत्री कनाडा के कानानास्किस शहर में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह उनकी दुनिया की सबसे बड़ी सात अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह के शिखर सम्मेलन में लगातार छठी उपस्थिति होगी। मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन में वे ऊर्जा सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम तकनीक और तकनीकी नवाचार जैसे वैश्विक विषयों पर विचार साझा करेंगे। इस दौरान वे जी7 देशों के नेताओं, आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों से भी मुलाकात करेंगे। कई द्विपक्षीय बैठकें भी प्रस्तावित हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कनाडा यात्रा भारत की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह यात्रा जी7 शिखर सम्मेलन में भारत की

सक्रिय भूमिका को दर्शाने के साथ-साथ भारत-कनाडा संबंधों में आए तनाव को दूर करने का अवसर भी है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भारत को आमंत्रित करते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उसकी भूमिका निर्णायक है। प्रधानमंत्री के विदेश दौरे की शुरुआत 15 जून को साइप्रस से होगी। यह पिछले दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली साइप्रस यात्रा होगी। प्रधानमंत्री निकोसिया में राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स से मुलाकात करेंगे और लिमासोल में व्यापारिक नेताओं को संबोधित करेंगे। इस दौरे से भारत और साइप्रस के बीच राजनयिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। वहीं कनाडा के बाद प्रधानमंत्री 18 जून को क्रोएशिया की यात्रा करेंगे, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी।

कोरोना के सक्रिय मरीजों को संख्या हुई 7400, बीते 24 घंटे में नौ की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। शनिवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 7400 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 269 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 9 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत दर्ज की गई। इनमें तीन मौत केरल से, चार मौत महाराष्ट्र से, राजस्थान ओर तमिलनाडु से एक-एक मौत दर्ज की गई है। मंत्रालय के मुताबिक कोरोना से मरने वाले मरीजों में अन्य गंभीर बीमारी भी थी। केरल में तीन मौत में से एक 83 वर्षीय पुरुष जिन्हें सीएडी-एस/पी सीएबीजी डीकपेंसेटेड एचएफ, एलवी डिसफंक्शन भी था। दूसरा 67 वर्षीय व्यक्ति जिनके गुर्दे प्रत्यारोपण हुए थे और 61 वर्षीय पुरुष, जिन्हें टाइप 2 डीएम, सिस्टमिक उच्च रक्तचाप भी था। हालांकि राहत की बात यह भी है कि संक्रमण से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

इस साल अबतक कोरोना से 11967 लोग ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक केरल में सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। यहां सक्रिय मरीजों की संख्या 2109 है जबकि दूसरे नंबर पर गुजरात है जहां 1437 मामले हैं। तीसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल है जहां 700 से अधिक मामले हैं। चौथे ओर पांचवे नंबर पर दिल्ली में 672 और महाराष्ट्र में 613 केस हैं।

भारतीय सेना का हिस्सा बने 419 कैडेट

एजेंसी

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में गहन प्रशिक्षण लेने वाले 451 जांबाज कैडेट आज पास आउट हो गए। पासिंग आउट परेड (पीओपी) में अंतिम पग पार करते ही 419 जांबाज अफसर भारतीय सेना का हिस्सा बन गए। इसके साथ ही 32 विदेशी कैडेट भी पास आउट हुए। समारोह के मुख्य अतिथि श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लसंथा रोड्रिगो ने बतौर रिव्यूइंग अफसर परेड की सलामी ली। आईएमए के चेटवुड बिल्डिंग के ड्रिल स्क्वॉयर में आज सुबह आर्मी बैंड की धुन पर एडवांस कॉल के साथ ही छाती ताने देश के भावी कर्णधार हौसले के साथ कदम बढ़ाते परेड के लिए पहुंचे। कंपनी सार्जेंट मेजर ने ड्रिल स्क्वायर पर अपनी-अपनी जगह ली। इसके बाद परेड कमांडर ने ड्रिल स्क्वायर पर जगह ली। मार्कर्स कॉल के साथ परेड का आगाज हुआ। कैडेट्स के शानदार

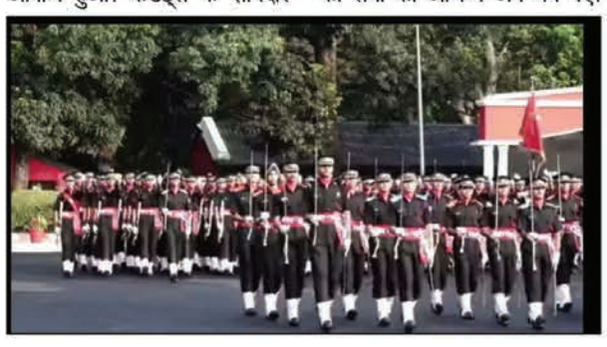

मार्चपास्ट से दर्शक दीर्घा में बैठा हर एक शख्स मंत्रमुग्ध हो गया। एक साथ उठते कदम और गर्व से तने सीने दर्शक दीर्घा में बैठे हरेक शख्स के भीतर ऊर्जा का संचार कर रहे थे। परेड के उपरांत आयोजित पीपिंग व ओथ सेरेमनी के बाद 451 जेंटलमैन कैडेट्स बतौर लेफ्टिनेंट देश-विदेश की सेना का अभिन्न अंग बन गए। इनमें 419 युवा सैन्य अधिकारी भारतीय थलसेना को मिले। मित्र राष्ट्र के 32 कैडेट्स भी पास आउट हुए। समारोह के मुख्य अतिथि श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लसंथा रोड्रिगो ने पास आउट कैडेटों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कैडेटों को ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस व अन्य उत्कृष्ट सम्मान से नवाजा। इस मौके पर सेना के हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल लसंथा रोड्रिगो खुद दिसंबर 1990 में आईएमए के 87 वें कोर्स से कमीशन प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने आईएमए में अपनी पुरानी यादें भी ताजा की।

भारतीय सैन्य अकादमी की स्थापना एक अक्टूबर 1932 को हुई थी। अकादमी का गौरवशाली इतिहास रहा है और यहां से पास आउट कैडेटों ने सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की है। अकादमी के पहले बैच से 40 कैडेट पास आउट हुए थे।

रक्तदान के लिए सभी को आगे आना चाहिएः जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने विश्व रक्तदान दिवस (14 जून) के अवसर पर कहा कि यह दिवस हमें रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ लाता है। यह दुनियाभर में उन लोगों की मदद करके लाखों लोगों की जान बचाता है जिन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है। फिर भी, कई लोग गलत सूचना और डर के कारण हिचकिचाते हैं। आइए इस दिन का उपयोग मिथकों को तोड़ने और अधिक लोगों को रक्तदान करने को लेकर प्रोत्साहित करने के लिए करें। नड्डा ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि इस वर्ष की थीम, रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं' हमें याद दिलाती है कि रक्तदान सरल, सुरक्षित है और इसका बहुत बड़ा प्रभाव हो सकता है। हमें एक साथ मिलकर इस सामाजिक उद्देश्य के लिए एकजुट होना चाहिए और वास्तव में जीवन बदलने वाली

किसी चीज़ का हिस्सा बनना चाहिए। 14 जून को डॉ. कार्ल लैंडस्टीनर का जन्मदिन होता है और ऐसा कहते हैं कि यह दिन डॉ. कार्ल को समर्पित है, क्योंकि उन्होंने ही ब्लड ग्रुप सिस्टम (ए, बी, एबी, ओ) की खोज की थी, जो रक्तदान और एक से दूसरे व्यक्ति में रक्त चढ़ाने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है। उनके इस योगदान के लिए 1930 में कार्ल लैंडस्टीनर को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सरकार ने एयर इंडिया के एआई-171 विमान दुर्घटना की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति की गठित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 की दुर्घटना की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है।

यह फ्लाइट अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे जा रही थी, जो 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा। दुर्घटना में 241 लोगों की जान चली गई, जो हाल के वर्षों में सबसे बड़े हवाई दुर्घटनाओं में से एक है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा है कि समिति दुर्घटना के पीछे के कारणों का पता लगाएगी और जांचेगी कि क्या गलत हुआ। समिति मौजूदा सुरक्षा नियमों की समीक्षा भी करेगी और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नए तरीके सुझाएगी।

समिति विभिन्न एजेंसियों द्वारा चल रही अन्य जांचों की जगह नहीं लेगी, बल्कि नीतियों और सुरक्षा दिशानिर्देशों को बेहतर बनाने पर ध्यान

केंद्रित करेगी। इस उच्च स्तरीय टीम का नेतृत्व केंद्रीय गृह सचिव करेंगे। इसमें नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय वायु सेना, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, इंटेलिजेंस ब्यूरो और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। गुजरात सरकार, अहमदाबाद पुलिस, आपदा प्रतिक्रिया प्राधिकरण और फोरेंसिक साइंस के विशेषज्ञ भी इस टीम का हिस्सा होंगे। जरूरत पड़ने पर पैनल में अतिरिक्त विमानन विशेषज्ञ, कानूनी सलाहकार या जांचकर्ता शामिल किए जा सकते हैं। समिति के पास उड़ान डेटा, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग, विमान रखरखाव लॉग, एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) लॉग और गवाहों के बयान जैसे महत्वपूर्ण रिकॉर्ड तक पहुंच होगी।

यह समिति दुर्घटना स्थल का दौरा भी करेगी और इसमें शामिल लोगों से बात करेगी, जिसमें क्रू मेंबर्स, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और रेस्क्यू टीम शामिल हैं।

अगर दुर्घटना में अंतरराष्ट्रीय तत्व शामिल पाए जाते हैं तो समिति विदेशी एजेंसियों और विमान निर्माताओं के साथ कॉर्डिनेट करेगी।

समूह को तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। दुर्घटना के मूल कारण का पता लगाने के अलावा, समिति यह भी समीक्षा करेगी कि बचाव अभियान कैसे चलाए गए और आपातकाल के दौरान विभिन्न एजेंसियों ने कैसे कॉर्डिनेट किया।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु को ले जाने वाला मिशन 19 जून को होगा लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग पर ताजा अपडेट आया है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि 19 जून को एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी। बताया कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्च तारीख अब 19 जून 2025 के लिए फिर से निर्धारित की गई है। साथ ही स्पेस एक्स टीम ने पुष्टि की है कि लॉन्च को पहले स्थगित करने वाले सभी मुद्दों पर पूरी तरह से काम किया गया है। सिंह ने कहा कि आगे का कोई भी अपडेट समय के अनुसार साझा किया जाएगा। भारत के लिए एक्सिओम-4 मिशन काफी अहम है, क्योंकि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के रूप में पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएगा। 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला लखनऊ में जन्मे हैं। उन्हें जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला। उन्हें 2000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल है। वे सुखोई-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे फाइटर जेट्स को उड़ा चुके हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के लिए भी मिशन महत्वपूर्ण होगा। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोग करेंगे।

लगातार 35वें महीने मासिक शिकायत निपटान 1 लाख के पारः केंद्र

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मई महीने में केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा कुल 1,24,101 शिकायतों का निवारण किया गया और लगातार 35वें महीने केंद्रीय सचिवालय में निपटान 1 लाख के पार हो गया। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के अनुसार, 1 से 31 मई तक केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों में शिकायतों के निपटान में औसत समय 16 दिन था। केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) की मई की मासिक रिपोर्ट में लोक शिकायतों के प्रकार और श्रेणियों तथा निपटान की प्रकृति का विस्तृत विश्लेषण दिया गया है। रिपोर्ट में मई में सीपीजीआरएएमएस पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत नए उपयोगकर्ताओं के आंकड़े दिए गए हैं। मई महीने में कुल 60,499 नए उपयोगकर्ता पंजीकृत हुए, जिनमें सबसे अधिक 10,043 पंजीकरण उत्तर प्रदेश से हुए।कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अनुसार, फीडबैक कॉल सेंटर ने मई 2025 में 65,601 फीडबैक एकत्र किए। रिपोर्ट में मई में कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से दर्ज शिकायतों का मंत्रालय/विभागवार विश्लेषण भी दिया गया है।

भाजपा सांसद धर्मशीला गुप्ता बोलीं, 'लालू प्रसाद यादव मानसिक संतुलन खो चुके हैं'

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जनता दल(राजद) के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन पर सामने आए एक वीडियो पर भाजपा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने जोरदार निशाना साधा है। सांसद ने कहा कि लालू प्रसाद यादव मानसिक संतुलन खो चुके हैं। वीडियो में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव कुर्सी पर बैठे हुए हैं और एक कार्यकर्ता की ओर से बाबा साहेब की तस्वीर को उनके चरणों के पास रखा गया है। इसे भाजपा ने बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान बताया है। इस वीडियो पर भाजपा की राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि आज पूरा देश और दुनिया इस शर्मनाक कृत्य को देख रही है। हमारे संविधान के निर्माता, राष्ट्र के पूज्य डॉ. बी.आर. अंबेडकर, जिन्होंने हमें एक लोकतांत्रिक ढांचा दिया, जो सभी जातियों, धर्मों और लिंगों के लिए समानता सुनिश्चित करता है। लालू प्रसाद यादव द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर की छवि को किसी के चरणों में रखने का कृत्य न केवल बेहद अपमानजनक है, बल्कि एक जघन्य अपराध भी है जो हमारे लोकतंत्र को शर्मसार करता है। बाबासाहेब एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और सद्भाव के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि लालू प्रसाद यादव अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं, उन्हें संन्यास ले लेना चाहिए।

लालू यादव पर अमित मालवीय का हमला, बाबा साहेब अंबेडकर के अपमान का लगाया आरोप

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान का गंभीर आरोप लगाया है। मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लालू यादव की आलोचना की, जिसमें उन्होंने सामाजिक न्याय के दावों को लेकर राजद नेता की मंशा पर सवाल उठाए। अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट पर लिखा, लालू प्रसाद यादव, जो दशकों से खुद को सामाजिक न्याय का पुरोधा बताते हैं, उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर का घोर अपमान किया है। उनके जन्मदिन पर, बाबा साहेब की तस्वीर उनके चरणों में रखी गई और लालू यादव ने न तो उसे उठाया, न सम्मान दिया और न ही छूना तक जरूरी समझा।

उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है एम्सः जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है। प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार और एक-दूसरे से सीखने के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिससे अस्पताल में समान, सस्ती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है। एम्स सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा नेताओं की एक नई पीढ़ी को विकसित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। जेपी नड्डा नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मंत्रालय द्वारा आयोजित 'सर्वोत्तम प्रथाओं' पर सम्मेलन के

पहले संस्करण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न एम्स संस्थानों द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय प्रथाओं को प्रदर्शित करना है, जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, परिचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें देशभर के एम्स संस्थानों (एम्स भोपाल, एम्स जम्मू, एम्स बिलासपुर, एम्स जोधपुर, एम्स नागपुर, एम्स देवघर, एम्स पटना, एम्स गोरखपुर, एम्स गुवाहाटी, एम्स रायपुर) के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) प्रभाग और रक्षा मंत्रालय की भी भागीदारी है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण दिया। इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा यह सम्मेलन एक अग्रणी पहल है, जो तीन प्रमुख क्षेत्रों में नए एम्स के समृद्ध अनुभवों को समेकित करने का प्रयास करता है जिसमें शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान; अस्पताल सेवा; और शासन -रोगी सुविधा शामिल है। नड्डा ने भविष्य की स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का सामना करने के लिए डॉक्टरों को तैयार करने में एम्स द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि ÷शिक्षण-अधिगम के क्षेत्र में, योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम को अपनाना, डिजिटल शिक्षण में निवेश, अत्याधुनिक सिमुलेशन प्रयोगशालाएं और मेंटरशिप कार्यक्रमों का कार्यान्वयन शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नए एम्स क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक अध्ययनों, नैतिक नैदानिक परीक्षणों और अनुवाद संबंधी शोध के माध्यम से भारत की वैज्ञानिक प्रगति में तेजी से योगदान दे रहे हैं।

सिक्किम के राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति और रक्षा मंत्री से शिष्टाचार भेंट की

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को सिक्किम में चल रही विभिन्न विकासात्मक पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने राज्य की प्रगति से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। राज्यपाल ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में सतत विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों सहित सामरिक महत्व के मुद्दों पर दोनों के बीच विस्तृत चर्चा हुई। राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा पर भी विशेष चर्चा की है।

आयुष मंत्रालय वैश्विक शिखर सम्मेलन 'योग कनेक्ट' की करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम के रूप में शनिवार को आयुष मंत्रालय विज्ञान भवन में हाइब्रिड रूप से वैश्विक शिखर सम्मेलन 'योग कनेक्ट' की मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश दोनों से योग गुरुओं, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, व्यापारिक नेताओं, शोधकर्ताओं और वैश्विक प्रभावशाली लोगों का एक प्रतिष्ठित समूह एक साथ आएगा। इस कार्यक्रम का समन्वय योग और प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद द्वारा किया जा रहा है, जो योग के क्षेत्र में शीर्ष शोध निकाय है 'योग कनेक्ट' एक हाइब्रिड प्रारूप में होगा, जिसमें 1,000 से अधिक व्यक्तिगत प्रतिभागियों के साथ-साथ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय योग संस्थानों और कल्याण समुदायों के आभासी उपस्थितगण शामिल होंगे। बहरीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और दक्षिण कोरिया सहित चार से अधिक देशों के विशेषज्ञ इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। आयुष मंत्रालय ने बताया कि शिखर सम्मेलन में 'योग प्रभाव' रिपोर्ट का विमोचन होगा जिसमें पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रभाव का आकलन करने वाला एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन शामिल होगा। यह रिपोर्ट शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, क्योंकि यह देशभर में आईडीवाई पहलों की पहुंच, प्रभावशीलता और परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।

इसके अलावा इस मौके पर देशी भारतीय वृक्षों के महत्व और उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तिका जारी की जाएगी।

अगले दो दिन और सताएगी भीषण गर्मी, उत्तर पश्चिम भारत में रविवार से बारिश के आसार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गर्मी का कहर जारी है। राजधानी का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 - 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति बनी रहेगी। बहुत हल्की बारिश, आंधी के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम

तापमान क्रमशः 40 से 42 डिग्री सेल्सियस और 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। रविवार को भी कमोवेश इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 से 39 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिनों के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में मानसून पहुंच जाएगा। इसके साथ अगले पांच दिनों में गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। 13-17 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अत्यधिक भारी वर्षा के साथ मानसून सक्रिय चरण में रहने की संभावना है।

मान सरकार की 'लैंड पूलिंग योजना' असंवैधानिक और किसान व पंजाब विरोधी : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर जोरदार हमला बोला। चुघ ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा लाई गई लैंड पूलिंग योजना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि गरीब किसानों की ज़मीन हड़पने की साजिश है। चुघ ने इस योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। चुघ ने बताया कि उन्होंने लुधियाना पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान 37 गांवों के किसानों से मुलाकात की थी जिनकी 24,000 एकड़ से अधिक ज़मीन इस योजना के तहत लाई गई है। चुघ ने एक बयान में कहा कि यह योजना किसानों को मुआवज़ा देने के बजाय उनकी जमीन का एक छोटा हिस्सा लौटाकर उन्हें बाज़ार की दया पर छोड़ देती है। यह योजना नहीं, बल्कि किसानों की ज़मीन हड़पने की एक

सोची-समझी साजिश है। यह पंजाब के किसानों के साथ अन्याय है और पूरी तरह असंवैधानिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब के शहरी क्षेत्रों में 20 प्रतिशत से अधिक भूमि पहले से ही बिना बिके पड़ी है, जो राज्य सरकार की नाकामी और कुप्रबंधन का प्रमाण है। जब पिछली शहरी योजनाएं असफल रही हैं तो यह योजना 80 प्रतिशत से अधिक छोटे ज़मीन मालिक किसानों के लिए कैसे लाभकारी साबित होगी? चुघ ने कहा कि मान सरकार के पास किसानों के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने 2022 के चुनाव से पहले किसानों के कर्ज़ माफ़ी और एमएसपी पर टॉप-अप का वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी किसान का कर्ज़ माफ़ नहीं हुआ, न ही किसी फसल पर कोई अतिरिक्त राशि दी गई। चुघ ने आरोप लगाया कि मान सरकार पंजाब के किसानों की चिंता करने के बजाय केजरीवाल और उनके जमानत पर छूटे नेताओं की मेहमाननवाज़ी में व्यस्त है।

एयर इंडिया के सभी बोइंग ड्रीमलाइनर विमानों की होगी सुरक्षा जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बाद अब एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के सभी विमानों की जांच होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बोइंग 787-8/9 बेड़े के सभी विमानों को 'ग्राउंडेड'करके 15 जून से जांच में सुरक्षा निरीक्षण बढ़ाने का आदेश दिया है। इस विमान हादसे में लगभग 265 लोग मारे गए थे। डीजीसीए के आधिकारिक बयान में कहा गया है, निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को निर्देश देता है कि वह संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस 8787-8/9 विमानों पर निम्नलिखित अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करे। विमानन नियामक ने अपने आदेश में 15 जून (00:00) बजे से भारत से उड़ान के लिए प्रस्थान से पहले विमानों की एक बार जांच करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अपने आदेश में डीजीसीए ने 15 जून को 00-00 बजे से उड़ान के प्रस्थान से पहले जांच अनिवार्य कर दी है। विमान नियामक ने ईंधन पैरामीटर निगरानी और संबंधित सिस्टम जांच का निरीक्षण और केबिन

सत्यमेव जयते
Directorate General of Civil Aviation (DGCA)

एयर कंप्रेसर और संबंधित सिस्टम का निरीक्षण अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्चुएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच, टेक-ऑफ मापदंडों की समीक्षा, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाएगा।

भारत और मंगोलिया ने नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और मंगोलिया ने द्विपक्षीय बैठक में रक्षा सहयोग और मजबूत करने के उद्देश्य से कई मुद्दों पर चर्चा की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और मंगोलियाई रक्षा मंत्रालय के राज्य सचिव ब्रिगेडियर जनरल गंखुयाग देवदोरज के साथ उलानबटार में हुई द्विपक्षीय बैठक में नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया गया। भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट का 17वां संस्करण मंगोलिया के उलानबटार में संपन्न हुआ। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के साथ ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स और स्ट्रैटेजिक मूवमेंट के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने समापन समारोह में भाग लिया। दो सप्ताह तक चले अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी सक्रिय रूप से शामिल हुई, जिसमें मुख्य रूप से अरुणाचल स्काउट्स की एक बटालियन के 45 कर्मियों ने भाग लिया। संयुक्त प्रशिक्षण का फोकस संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में अर्ध-पारंपरिक परिदृश्यों में एक संयुक्त टास्क फोर्स के रूप में काम करते हुए भारतीय सेना और

मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना था। समापन समारोह में रक्षा सचिव ने नोमैडिक एलीफेंट अभ्यास के दौरान भारतीय सैनिकों की व्यावसायिकता, समर्पण और आचरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास भारत और मंगोलिया के बीच दोस्ती, आपसी विश्वास और साझा सांस्कृतिक संबंधों के स्थायी बंधन का प्रमाण है। इसने सार्थक सैन्य सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम किया और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की संयुक्त पहलों में भारतीय सेना का योगदान न केवल परिचालन तत्परता को बढ़ाता है, बल्कि वैश्विक शांति प्रयासों में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में भारत की भूमिका को भी मजबूत करता है। रक्षा सचिव इसी स्थान पर बहुराष्ट्रीय संयुक्त सैन्य अभ्यास खान क्वेस्ट 2025 के उद्घाटन समारोह में भी भाग लेंगे, जिसमें भारतीय सेना की टुकड़ी भी भाग ले रही है। अभ्यास खान क्वेस्ट 14 से 28 जून तक आयोजित किया जाएगा। दोनों सेनाओं के बीच अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट और खान क्वेस्ट का आयोजन भारत की बढ़ती रक्षा कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और मंगोलिया के साथ इसकी साझेदारी के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है।

दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को पकड़ा, अब तक 145 पर हुई कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को गिरफ्तार कर उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया है। पकड़ी गई महिला कुलसुम बेगम (23) बांग्लादेश के ग्राम जमरिलडांगा की रहने वाली है। वह भारत में घुसपैठ कर जंगल के रास्ते से दिल्ली पहुंची थी। दिल्ली में पिछले साल दिसंबर में अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई हो चुकी है। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि यह कार्रवाई दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है, जिसमें अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि महिला से पूछताछ के बाद उसको विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जल्द ही बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। पुलिस अधिकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत थाना वसंत कुंज साउथ की टीम ने 11 जून 2025 को इलाके में डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन शुरू किया।

इसी दौरान कुलसुम बेगम को पकड़ा गया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह बिना वैध दस्तावेजों के भारत में दाखिल हुई थी। पुलिस ने कानूनी औपचारिकताओं के बाद उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया। वहीं दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने 26 दिसंबर 2024 से शुरु हुए इस अभियान के तहत अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों को ट्रेस कर हिरासत में लिया है।

महिला सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और सेतु आयोग के बीच समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग और उत्तराखंड के सेतु आयोग के बीच विकसित एवं सशक्त उत्तराखंड को लेकर महिला सशक्तीकरण विषय के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए एक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर और सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राज शेखर जोशी के बीच संपन्न हुआ।

इस समझौते का उद्देश्य राज्य में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक भागीदारी एवं विधिक जागरूकता को सुदृढ़ करना है। प्रस्तावित कार्यक्रमों में एकीकृत ग्रामीण स्मार्ट गांव केंद्रों की स्थापना, विवाह पूर्व संवाद केंद्र, उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला सुरक्षा एवं संरक्षण पर केंद्रित प्रशिक्षण तथा कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित एवं समावेशी बनाए जाने जैसे लक्ष्य सम्मिलित हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग की भूमिका केंद्रबिंदु में होगी, जिसमें आयोग महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण से जुड़े राष्ट्रीय

स्तर के कार्यक्रमों में अर्जित अनुभव के आधार पर तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इसके साथ उत्तराखंड की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण सामग्री, मॉड्यूल एवं ज्ञान संसाधनों का विकास करना राष्ट्रीय स्तर पर अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाएं साझा करना, राज्य स्तरीय पहलों को केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने में सहायक बनना, सम्बंधित हितधारकों के क्षमता निर्माण हेतु विशेष कार्यशालाओं का आयोजन करना शामिल है। वहीं सेतु आयोग परियोजनाओं की रणनीतिक रूपरेखा, संसाधनों के समन्वयन, निगरानी तथा राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा-निर्देश प्रदान करेगा। दोनों पक्षों द्वारा एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा और एक संयुक्त संचालन समिति के माध्यम से कार्यक्रमों की नियमित त्रैमासिक समीक्षा की जाएगी।

डीपीएस द्वारका के खिलाफ अभिभावकों का प्रदर्शन, सरकार से स्कूल को टेकओवर करने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के प्रतिष्ठित स्कूल डीपीएस द्वारका से 31 बच्चों के नाम काटने का विवाद खत्म नहीं हो रहा है। बच्चों के नाम वापस नहीं लिए जाने पर अभिभावक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को सैकड़ों की संख्या में अभिभावकों ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और स्कूल प्रशासन के रवैये की कड़ी निंदा की। हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद डीपीएस द्वारका स्कूल ने अब तक उन 31 छात्रों के नाम बहाल नहीं किए हैं, जिन्हें मनमानी फीस न भरने पर निष्कासित कर दिया गया था। जंतर मंतर पर जुटे अभिभावकों ने पोस्टर और बैनरों के जरिए स्कूल प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। अभिभावकों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने छात्रों के निष्कासन को रद्द कर उन्हें फिर से स्कूल में शामिल करने का आदेश दिया था, लेकिन डीपीएस द्वारका ने अब तक छात्रों को न तो क्लास में दाखिल होने दिया, न ही होमवर्क दिया और न ही शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल किया। एक अभिभावक सोमेंद्र यादव ने कहा कि मेरे बच्चे इस स्कूल में पढ़ते हैं। डीपीएस द्वारका स्कूल में बच्चों का शोषण हो रहा है, उसके खिलाफ हम लोग प्रदर्शन करने आए हैं। डीपीएस द्वारका हाईकोर्ट और सरकार के किसी ऑर्डर को नहीं मान रहा है। सरकार की ओर से 15 आदेश आए, कोई पालन अभी तक नहीं किया। हमारी मांग है कि डीपीएस द्वारका स्कूल को सरकार अपने हाथों में ले। उन्होंने कहा, हम शिक्षा मंत्री से मिल चुके हैं। अपनी मांग रख चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने जिलाधिकारी के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई थी। जांच में स्कूल की लाइब्रेरी में बच्चों को पकड़कर रखने की घटना सामने आई। वाइस-चांसलर की अध्यक्षता में भी एक कमेटी बनी थी, जिसने स्कूल प्रशासन को गलत ठहराया था। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर हमें कोई राहत नहीं मिली है। बच्चों का उत्पीड़न लगातार जारी है। उत्तम नगर की रहने वाली ज्योति का बेटा भी उन बच्चों में शामिल है, जिसका स्कूल प्रशासन ने नाम काटा था। ज्योति का कहना है कि उनका बेटा इस स्कूल में पढ़ता है। कुछ दिन पहले स्कूल से एक ईमेल आया था, जिसमें बच्चे का नाम काटने का जिक्र था। हाईकोर्ट का ऑर्डर आ चुका है कि।

संपादक की कलम से

अहमदाबाद में 'सपनों की उड़ान' से सुलगते सवाल

अहमदाबाद में 12 जून की सुबह आम दिनों की तरह सामान्य थी। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आज की दोपहर रुलाने वाली होगी। एअर इंडिया की फ्लाइट ए1-171 लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने कुछ ही सेकंड बाद क्रैश हो गई। यह हादसा सिर्फ अहमदाबाद को ही नहीं, पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर गया। इस विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर थे। सभी की अपनी-अपनी कहानियां थीं। कोई पहली बार विदेश जा रहा था। किसी को बेटी की शादी में शामिल होना था। कोई नौकरी के लिए लंदन जा रहा था तो कोई अपने बेटे से मिलने। किसी ने शायद दरवाजा बंद करते समय पीछे मुड़कर देखा हो। मगर अधिकांश ने आखिरी बार कहा होगा-पहुंचकर फोन करना। लेकिन इसका मौका 'सपनों की उड़ान' भरने वालों को नहीं मिला।

इस विमान का बड़ा हिस्सा मेघानी नगर के मेडिकल छात्रावास पर भी गिरा। इससे वहा रह रहे छह छात्र भी मौत के मुंह में समा गए। यह युवा भविष्य में किसी की जान बचा सकते थे। दुर्भाग्य देखिए, उनकी अपनी जानें ही नहीं बच सकीं। किसी मोबाइल फोन की स्क्रीन पर शायद अभी भी ममता का ह्यमिस्ड कॉलह्न दिख रहा होगा। किसी के व्हाट्स ऐप पर अब भी "लैंड करते ही मैसेज करना" लिखा होगा।

हादसे में मर जाना अलग बात है, लेकिन बिना अलविदा कहे दुनिया छोड़ जाना एक अकल्पनीय दुःख होता है। एअर इंडिया का यह ड्रीमलाइनर विमान आधुनिकतम सुरक्षा तकनीक से लैस था। ड्रीमलाइनर 787 को उड्डयन जगत में विश्वसनीय माना जाता है। फिर सवाल उठता है-कैसे हुआ ये हादसा? क्या विमान में पहले से कोई तकनीकी गड़बड़ी थी? क्या मेंटेनेंस में लापरवाही बरती गई? या फिर यह एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग है?

कैप्टन सुमीत सबरवाल इस विमान को उड़ा रहे थे। वे 8200 घंटे के उड़ान अनुभव वाले वरिष्ठ पायलट थे। उनके साथ सह-पायलट क्लाइव कुन्दर भी थे। उनके पास भी पर्याप्त उड़ान अनुभव था। कहते हैं कि दोनों ने आखिरी क्षण तक विमान को कंट्रोल करने की कोशिश की। ब्लैक बॉक्स से मिली रिकॉर्डिंग में कैप्टन की अंतिम आवाज 'मेडे कॉल' के रूप मे दर्ज है। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में देर नहीं की। खबर फैलते ही अस्पतालों के बाहर परिजनों की चीखें सुनाई देने लगीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। हादसों के बाद हम अकसर संवेदनाएं प्रकट करते हैं। मोमबत्तियाँ जलाते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और फिर भूल जाते हैं। लेकिन इस बार कुछ बदलना होगा। कई परिवार ऐसे हैं जिनका एकमात्र कमाने वाला सदस्य इस हादसे में चला गया। कुछ ऐसे हैं जिनके तीन-तीन सदस्य एकसाथ उड़ान पर थे और अब उनकी कोई स्मृति शेष नहीं।

एक छह साल की बच्ची की तस्वीर वायरल हो रही है जो अपने दादा-दादी के साथ पहली बार विदेश जा रही थी। अब उसकी गुलाबी गुड़िया राख में मिली है। एक नवविवाहिता जो ससुराल के लिए रवाना हुई थी, अब ताबूत में लौटेगी। यह कहानियां तकलीफदेह हैं। इस हादसे के बाद हमें दो काम जरूर करने चाहिए। पहला-पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी, कानूनी और मानसिक सहायता दी जाए। दूसरा-यह सुनिश्चित किया जाए कि भारत की कोई भी उड़ान हो, उसे उड़ने से पहले सौ बार जांचा जाए।

एक शोक रचना याद आ रही है-"जो उड़ने चले थे सितारे बन के, वो राख में अब निशान बन के रह गए।" यह दुर्घटना उन सभी यात्रियों को श्रद्धांजलि है जो सिर्फ मंज़िल की आशा लेकर चले थे और अब हमारी यादों का हिस्सा बन गए हैं। वे लौटकर नहीं आएंगे, लेकिन अगर हमने उनकी याद में सिस्टम को बेहतर बना दिया, तो शायद उनके जाने का कोई अर्थ रह जाएगा।

रिश्तों के एटीएम को संभालें, 'यूजर एग्रीमेंट' करने से बचें

पिछली सदी में साइकिल की घंटी, सांझ की चौपाल, या आंगन का पीपल रिश्तों की धड़कन होते थे। किसी के दरवाजे पर दो बार दस्तक हुई तो मतलब साफ था-चाय पकाओ, गपशप होने वाली है। आज दरवाजा कम बजता है, मोबाइल ज्यादा। और मोबाइल भी कई बार हाथ में नहीं, डाइनिंग-टेबल पर पड़ा-पड़ा नोटिफिकेशन बजाता है-पैकेज आउट फॉर डिलीवरी। दिनचर्या इतनी ऐप आधारित हो चुकी है कि रिश्ते भी 'ऑन-डिमांड सर्विस' जैसा अनुभव देने लगे हैं। मां की याद तब आती है जब 'घर का अचार' खत्म हो जाता है। भाई का नाम फोन-बुक में तभी स्क्रॉल होता है जब ट्रैफिक चालान से बचने के लिए किसी कनेक्शन की दरकार होती है। कॉलेज के दोस्त तभी याद करते हैं जब उन्हें किसी रेफरेंस लेटर की जरूरत पड़ती है। 'दिलचस्पी' दिनदहाड़े गायब हो चुकी है और हमने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी नहीं लिखवाई। क्यों? क्योंकि हमारी जरूरतें आराम से पूरी हो रही हैं।

जरूरत और दिलचस्पी का द्वंद्वः जरूरतें बुरी नहीं हैं। पानी, भोजन, सुरक्षा, सहा-ये सब एक बुनियादी सच हैं। समस्या तब शुरू होती है जब रिश्तों की पूरी परिभाषा ही जरूरतों पर टिक जाती है। प्यार, आदर, साझा हंसी, बेवजह के मेसेज-ये सब 'लग्जरी आइटम' माने जाने लगते हैं। नतीजा? संवाद सूखता है, उत्साह मुरझाता है और रिश्ता अपनी ही परछाई ढोता रहता है। 'कैसे हो?' का जवाब कभी ताल्लुक निभाने के लिए था। अब यह कस्टमर केयर का स्क्रिप्टेड सवाल लगने लगा है। जोश, जिज्ञासा और जुड़ाव, एक-एक कर सिकुड़ते हैं। दिलचस्पी 'टॉप-अप' की तरह है। समय-समय पर न हो तो सर्विस बंद। पर हम अकसर इसे भूल जाते हैं और फिर हैरान होते हैं कि नेटवर्क क्यों नहीं आ रहा।

आधुनिकता के चार कड़वे साइड इफैक्ट

1. डिजिटल पुल और भावनात्मक दूरीः हम 'कनेक्टेड' तो हैं, पर 'क्लोज' नहीं। विडंबना देखिए-वीडियो कॉल करते हुए भी हम आंखों में आंखें नहीं देख पाते, क्योंकि कैमरा स्क्रीन के ठीक बगल में है।

2. समय का निवेश नहीं, आउटसोर्सिंग का चलनः जन्मदिन का केक, सालगिरह का तोहफा, मां के घुटनों की दवाई-सब 'ऐप सेकेंड' में बुक। व्यक्तिगत श्रम की जगह 'प्रोसेस्ड केयर' ने ली। एहसान की जगह 'ट्रैकिंग आईडी'।

3. पर्सनल ब्रांडिंग का दबावः रिश्ते अब फोटो-फ्रेंडडली मूमेंट्स का कोलाज हैं। रियल्टी में खिलखिलाना कम है। सोशल फीड में 'स्टोरी' ज्यादा। हर मुलाकात एक संभावित पोस्ट है। और पोस्ट अगर लाइक्स न बटोर पाए तो दोस्ती में भी 'कंटेंट वैल्यू' कम आंकी जाती है।

4. उपभोक्तावाद का शोरः मार्केटिंग ने हमें सिखाया-संतुष्टि खरीदी जा सकती है। नतीजे में हम रिश्तों से भी रिटर्न-ऑन-इन्वेस्टमेंट चाहने लगे। मैंने दादी को विंटर जैकेट भेजा, बदले में वीडियो कॉल तक नहीं मिला। जैसे स्नेह कोई कैश-बैक स्कीम हो।

सामाजिक विज्ञान का नजरियाः समाजशास्त्री बताते हैं कि औद्योगिक क्रांति से लेकर आईटी क्रांति तक, जैसे-जैसे जॉइंट फैमिली से न्यूक्लियर फैमिली की ओर झुकाव बढ़ा, जिम्मेदारियां तो विभाजित हुईं पर समर्थन-तंत्र भी बिखर गया। अब हर इकाई अपने दम पर दौड़ रही है, इसलिए 'सर्वाइवल' सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया। दिलचस्पी एक 'नॉन-एसेंशियल अमीनीटी' की तरह अंत में जुड़ती है, अगर शक्ति और समय बचा तो।

मानसिक स्वास्थ्य पर असरः इनसान सामाजिक प्राणी है-यह पाठ चौथी कक्षा की किताब में पढ़ाया जाता है।

पोषण और स्वास्थ्य से जूझ रहे 80 करोड़ भारतीयों के लिए जीडीपी रैंकिंग अप्रासंगिक

- पी. सुधीर

सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों को लेकर यह जुनून आकस्मिक नहीं है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान की विशेषता है। यह लोगों की स्थिति और उनकी आजीविका के बारे में जितना बताता है, उससे कहीं अधिक छिपाने में मदद करता है। वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा होते हुए भी, यह विकृति भारत में विशेष रूप से स्पष्ट है, जिसे अब दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है।

नीति आयोग के सीईओ ने दावा किया है कि भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उन्होंने कम से कम इतना तो सच कहा कि यह बात अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विश्व आर्थिक परिदृश्य में 2025-26 के अनुमानों पर आधारित थी। आगे विस्तार से जानने पर हमें ठीक-ठीक पता चलता है कि भारत की नाममात्र जीडीपी जापान के 4,186.431अरब डॉलर से थोड़ा आगे बढ़कर 4,187.017अरब डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। यह बिलकुल अलग बात है कि भारत की प्रति व्यक्ति आय डॉलर के हिसाब से नाममात्र है और जो जापान की प्रति व्यक्ति आय का मात्र तेरहवां हिस्सा है। इसलिए, मोदी सरकार के आर्थिक थिंक टैंक के समर्थकों के बीच मौजूदा उत्साह, जिसे गोदी मीडिया के चाटुकारों द्वारा और बढ़ाया जा रहा है, विचित्र लगता है। दरअसल, सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों को लेकर यह जुनून आकस्मिक नहीं है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान की विशेषता है। यह लोगों की स्थिति और उनकी आजीविका के बारे में जितना बताता है, उससे कहीं अधिक छिपाने में मदद करता है। वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा होते हुए भी, यह विकृति भारत में विशेष रूप से स्पष्ट है, जिसे अब दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत की आबादी के शीर्ष 1 प्रतिशत के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है, जबकि निचले 50 प्रतिशत के पास केवल 3 प्रतिशत है। आय असमानता भी उतनी ही स्पष्ट है - शीर्ष 10 प्रतिशत लोग राष्ट्रीय आय का 57 प्रतिशत से अधिक कमाते हैं। इस संदर्भ में, समग्र जीडीपी और यहां तक कि प्रति व्यक्ति जीडीपी के प्रति जुनून केवल एक भ्रामक मीट्रिक नहीं है; यह तो कॉर्पोरेट-सामुदायिक गठजोड़ द्वारा सार्वजनिक चर्चा को विचलित करने के लिए जानबूझ कर बनाई जा रही हवा है।

इसका आधार स्पष्ट और जोरदार है। जैसा कि ब्राजील के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अल्फ्रेडोसाद-फिल्हो ने 2006 में देखा था, 'यह वित्त-संचालित नवउदारवादी शासन के तहत सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों में गैर-हस्तक्षेप के वैचारिक आवरण के तहत एक आधिपत्य परियोजना को लागू करने के लिए राज्य शक्ति के व्यवस्थित उपयोग पर आधारित शोषण और सामाजिक वर्चस्व है।ज वित्तीय बाजारों और अमेरिकी पूंजी के वैश्विक हितों के तहत, वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन पूंजी का मुख्य कार्य नहीं रह गया है। इसके बजाय, पूंजी अब मुख्य रूप से सट्टा वित्तीय गतिविधियों के माध्यम से अल्पकालिक सुपर-मुनाफा उत्पन्न करने के लिए तैनात की जाती है।

वित्त द्वारा मध्यस्थता, अर्थव्यवस्था में पूंजी के तीन मुख्य स्रोतों- राज्य वित्त, घरेलू बचत पूल और घरेलू और विदेशी पूंजी के बीच संबंध -पर नियंत्रण तेजी से अनियमित और केंद्रित हो गया है। यह गतिशीलता उस हताशा में परिलक्षित होती है जिसके साथ ट्रम्प प्रशासन ने घरेलू विनिर्माण नौकरियों को पुनर्जीवित करने के प्रयास में टैरिफ युद्ध को आगे बढ़ाया। विडंबना यह है कि यह अमेरिका के नेतृत्व वाले साम्राज्यवाद के तत्वावधान में जिसमें वित्त का वैश्विक प्रभुत्व पहली बार स्थापित हुआ था। सदी के अंत में, 2000 में, वैश्विक विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) 400 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ गया, जबकि वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) केवल 65 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर था - प्रत्यक्ष निवेश के प्रत्येक डॉलर के लिए, स्टॉक और डेरिवेटिव जैसे सट्टा साधनों में सात डॉलर डाले गये। लगभग एक चौथाई सदी बाद, वित्त का प्रभुत्व और भी अधिक स्पष्ट है। स्पष्ट रूप से, आईएमएफ के अनुमानित जीडीपी आंकड़े समकालीन पूंजीवाद के आंतरिक कामकाज या श्रमिक वर्ग के लिए इसके विनाशकारी परिणामों को समझाने के लिए अत्यल्प जानकारी प्रस्तुत करते हैं। भारत में, आबादी का शीर्ष 1 प्रतिशत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत नियंत्रित करता है। इसका मतलब है कि लगभग 1.4अरब लोगों की प्रति व्यक्ति आय केवल 1,670 अमरीकी डॉलर के आसपास रह गयी है। अगर हम देश की 62 प्रतिशत संपत्ति पर नियंत्रण रखने वाले शीर्ष 5 प्रतिशत लोगों को हटा दें, तो औसत और भी गिरकर लगभग 1,100 अमेरिकी डॉलर हो जाता है - जो सालाना 1 लाख रुपये से भी कम है। यह आबादी के भारी बहुमत द्वारा सामना की जाने वाली गंभीर वास्तविकता को दशार्ता है।

इस असमानता को और भी जटिल बनाता है जीडीपी योगदान में क्षेत्रवार विषमता। जीडीपी का बड़ा हिस्सा पूंजी-गहन सेवा क्षेत्रों और बड़े कॉर्पोरेट उद्यमों द्वारा उत्पन्न होता है। इस बीच, असंगठित अनौपचारिक क्षेत्रों और कृषि में लगे लोग - जो कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं - कुल जीडीपी में केवल एक नगण्य हिस्सा योगदान करते हैं। नतीजतन, बढ़ती बेरोजगारी के साथ-साथ स्थायी आय और आजीविका में संकट गहराता जा रहा है।

विश्व स्तर पर, धनी लोगों द्वारा नीति पर कब्जा करने से कर नीतियों, नियामक ढांचे और सार्वजनिक निवेश निर्णयों को उनके लाभ के लिए आकार दिया गया है। भारत में, यह कब्जा और भी तीव्र है। कॉर्पोरेट हितों की बढ़ती पकड़, साथ ही क्रोनीपूंजीवाद के उदय ने सार्वजनिक संपत्तियों- प्राकृतिक संसाधनों सहित - को निजी हाथों में व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित कर दिया है। जबकि कॉर्पोरेट मुनाफे में उछाल आया है, राष्ट्रीय आय में श्रम का हिस्सा घट गया है।

भारत में स्थिति विशेष रूप से विकट है। विमुद्रीकरण ने अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया, जिसने व्यवधान का खामियाजा उठाया। कोविड-19 महामारी के बाद की स्थिति और भी खराब हो गयी। ऐसे माहौल में, अतिरिक्त रोजगार पैदा करने या स्थायी आय सुनिश्चित करने की कोई गुंजाइश नहीं है। कुल सकल घरेलू उत्पाद में नाममात्र की वृद्धि भी साझा समृद्धि का कोई सुबूत नहीं देती है। कामकाजी गरीबों और बेरोजगारों से परे, मध्यम वर्ग भी तेजी से असुरक्षित हो रहा है - न केवल पीछे छूट रहा है, बल्कि नीचे की ओर खिसकने का जोखिम भी है। धन के पुनर्वितरण नीतियों की अनुपस्थिति में, अभिजात वर्ग सार्वजनिक सेवाओं से बाहर निकलने का जोखिम उठा सकता है - विशेष निजी स्कू लों, कॉर्पोरेट अस्पतालों और बंद आवासीय समुदायों पर निर्भर करता है। यह सार्वभौमिक सार्वजनिक प्रणालियों में निवेश करने की राजनीतिक इच्छा को खत्म कर देता है।

इसलिए बुनियादी पोषण, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा से जूझ रहे 80 करोड़ भारतीयों के लिए, जीडीपी रैंकिंग अप्रासंगिक है। कॉर्पोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ का उदय आकस्मिक नहीं है; यह लोगों को पहचान के आधार पर विभाजित करने का काम करता है, जिससे शासन का निरंतर प्रभुत्व सुनिश्चित होता है। इस संदर्भ में, जनता द्वारा एकजुट एवं सामूहिक संघर्ष ही आगे बढ़ने का एकमात्र व्यवहार्य मार्ग है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में है 'भविष्य के भारत की सोच '

लोकेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा है। ऐसे में संघ को लेकर गहरी रुचि और जिज्ञासा सामान्य लोगों से लेकर बौद्धिक जगत में दिखाई दे रही है। संघ के संबंध में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिन्हें विद्वानों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से लिखा है। इस शृंखला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' ने प्रकाशन जगत और बुद्धिजीवी वर्ग का ध्यान खींचा है। यह पुस्तक अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जब संघ की सृष्टि में रचा-बसा लेखक कुछ लिखता है, तब उसे पढ़कर संघ को ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। यह ऐसी पुस्तक है, जो लेखक की प्रत्यक्ष अनुभूति के साथ विकसित हुई है। संघ की यात्रा और विभिन्न मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण बताते हुए सुनील आंबेकर अपनी संघ यात्रा को भी रेखांकित करते हैं। यह प्रयोग संघ को व्यवहारिक ढंग से समझने में हमारी सहायता करता है। मनोगत में स्वयं लेखक सुनील जी लिखते हैं कि यह पुस्तक उनके लिए है जो व्यवहार रूप में संघ को समझना चाहते हैं, उसके माध्यम से जिसने संघ को जिया है। सुनील आंबेकर का लंबा समय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को गढ़ने में भी बीता है। सुनील जी बाल्यकाल से स्वयंसेवक हैं। संघ के साथ उनके संबंध नैसर्गिक रूप से विकसित हुए हैं। नागपुर में उनका घर संघ मुख्यालय के पड़ोस में ही है। उनके घर का द्वार संघ कार्यालय के प्रांगण में ही खुलता था।

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' पाठकों को न केवल संघ की बुनियादी जानकारी देती है अपितु 'भविष्य के भारत' को लेकर संघ की क्या सोच है, उस पर भी यह पुस्तक बात करती है। पुस्तक के प्रारंभिक अध्यायों में संघ की स्थापना की पृष्ठभूमि पर चर्चा है। संघ की स्थापना के उद्देश्य, उसकी आवश्यकता और उसकी कार्यप्रणाली को ठीक प्रकार से समझना है, तब हमें संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन चरित्र अवश्य पढ़ना और जानना चाहिए। इस पुस्तक में यह उल्लेख एक से अधिक स्थानों पर आया है। डॉक्टर साहब क्रांतिकारी संगठनों में रहे, कांग्रेस में भी सक्रिय रहे। वे नागपुर में कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। डॉक्टर साहब के पास सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र का समृद्ध अनुभव था, उसी में से उनके हृदय में संघ बीज का प्रस्फुटन हुआ। सुनील जी लिखते हैं, "डॉक्टर साहब का मानना था कि भारत की गुलामी का कारण केवल विदेशी ताकतें नहीं हैं, जिन्होंने आक्रमण किए अपितु आंतरिक कलह और मतभेद भी इसके कारण रहे हैं। एक ऐसे स्थान की आवश्यकता थी, जहां सब बड़े-छोटे या अन्य लोग किसी भी प्रकार के भेदभाव को भूलकर संवाद कर सकें। इसी विचार ने आगे चलकर शाखा की संकल्पना को जन्म दिया।" समर्थ गुरु रामदास और छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र से समाज को संगठित करने का पाठ सीखकर डॉक्टर हेडगेवार ने एक ऐसे संगठन का निर्माण किया, जो व्यक्ति केंद्रित नहीं अपितु तत्व उसके मूल में है।

'संघ की मूल अवधारणाएं' बताते हुए लेखक सुनील जी लिखते हैं, "जिन मूल केंद्रीय अवधारणाओं से संघ के विचार का जन्म हुआ, ये हैं-राष्ट्रीयता, एकात्मता और सामूहिकता।' वे आगे लिखते हैं, "संघ के साथ जितना मेरा अनुभव रहा है, मुझे लगता है कि यह सामंजस्य, विश्वास एवं पारस्परिक आदर का भाव स्थापित करनेवाली और एकत्व स्थापित करनेवाली एक शक्ति है।" पुस्तक में अन्य स्थानों पर भी संघ की मूल अवधारणाओं की व्याख्या की गई है, उन्हें अलग-अलग ढंग से समझाने का प्रयास किया गया है। संघ के बारे में एक बात सबको समझनी चाहिए कि यह कोई जड़ संगठन नहीं है। समाज के साथ बहनेवाला जीवंत संगठन है, जो देश-काल-परिस्थिति के अनुसार समाज हित में अपने दृष्टिकोण को विस्तार देता है। लेकिन संघ की मूल अवधारणाएं स्थायी हैं, उनमें परिवर्तन स्वीकार्य नहीं है। जैसे-राष्ट्रीयता को लेकर संघ का स्पष्ट मत है कि यह देश 'हिन्दूराष्ट्र' है, संघ इसी अवधारणा के साथ जन्मा और उसी को लेकर आजतक चल रहा है। इस संबंध में पूर्व सरसंघचालक बालासाहब देवरस को उल्लेखित करते हुए वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी कहते हैं, "जब हमसे पूछा जाता है कि यह कैसे हुआ, वह कैसे हुआ? हमने पहले वैसा कहा था, अब ऐसा क्यों कह रहे हैं? इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देते हुए बालासाहब ने कहा था कि देखो भाई, हिन्दुस्थान हिन्दूराष्ट्र है, इस एक बात को छोड़कर बाकी सब बदल सकता है।

अब आजीविका और नौकरियों पर ध्यान केंद्रित हो

- डॉ.अजीत रानाडे

इन सभी लक्ष्यों को अब नौकरियों पर खतरा पैदा कर रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई चुनौतियों के साथ हासिल करने होगें। कुल मिलाकर हमें जल्द ही सापेक्ष गरीबी व असमानता को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी क्योंकि उच्च आर्थिक विकास की लूट को शीर्ष पर बैठे कुछ लोगों को नहीं दिया जा सकता। अगले पांच वर्षों में अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन एक अच्छा मौका है लेकिन एक विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ने की यात्रा में हमें बहुत काम करना है।

विश्व बैंक के हाल के अनुमान में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 2011-12 में 34.40 करोड़ से घटकर 2022-23 में 7.50 करोड़ हो गई। यानी 11 वर्षों में 26.90 करोड़ लोगों ने अत्यधिक गरीबी की दहलीज पार कर ली है। यह काफी प्रभावशाली और प्रशंसनीय है। गरीबी रेखा के संदर्भ में अत्यधिक गरीबी की क्रय शक्ति समायोजित एक तकनीकी परिभाषा है जिसे 2021 तक अपडेट किया गया है। अब यह 3 डॉलर प्रतिदिन है। गरीबी की एक अन्य संबंधित अवधारणा बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (मल्टी डाईमेंशनल इंडेक्स-एमपीआई) के साथ घनिष्ठ संबंध रखने और उन्नत सर्वेक्षण के माध्यम से सटीक उपभोग आंकड़े एकत्र करने में भारत के लिए अपने सुधार का संज्ञान लेने के लिए भी इस अपडेट की आवश्यकता थी। गैर-तकनीकी शब्दों में विश्व बैंक की अत्यधिक गरीबी का अर्थ है ऐसे व्यक्तियों की आय इतनी कम होना है कि वह भोजन, स्वच्छ पानी, आश्रय और बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल की अपनी बुनियादी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकता है।

इस तरह की कम आय की अभिव्यक्ति दीर्घकालिक भूख या अल्पपोषण, स्वच्छता तक पहुंच की कमी व बुनियादी प्राथमिक शिक्षा या प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का अभाव में होती है। चरम रूप में इसका अर्थ भुखमरी से होने वाली मौतों का विस्तार भी है। इन गंभीर मानदंडों के अनुसार, भारत की अत्यधिक गरीबी दर अब जनसंख्या का 5.3 प्रतिशत है। इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि चूंकि भारत में 2011 से जनगणना नहीं हुई है इसलिए जनसंख्या के बारे में सटीक आंकड़ा या गरीबी अनुपात का भाजक अनुपलब्ध है। लेकिन कोई भी उचित अनुमान लगा सकता है। दुनिया में लगभग 83.80 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रहते हैं जिनमें से भारत के 7.50 करोड़ कुल आंकड़े का 9 प्रतिशत हैं। वैश्विक जनसंख्या में भारत की दोगुनी हिस्सेदारी को देखते हुए यह संतोषजनक है कि अत्यधिक गरीबी से निपटने के मामले में भारत वैश्विक औसत से आगे है। फिर भी कुल मिलाकर देखें तो भारत अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में नाइजीरिया के बाद केवल दूसरे स्थान पर है। भारत की आबादी को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है लेकिन याद रखें कि चीन का अनुपात शून्य प्रतिशत के करीब है और चीनियों ने घोषणा की कि 2020 में ही उनके यहां अत्यधिक गरीबी समाप्त हो गई थी। संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में सतत विकास लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स- एसडीजी) की घोषणा की थी जिनमें से पहला लक्ष्य 2030 तक अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन था। इस प्रकार हमारे पास यह सुनिश्चित करने के लिए पांच साल बचे हैं कि हम एसडीजी के अनुसार अत्यधिक गरीबी से नीचे के लोगों के शून्य प्रतिशत के करीब पहुंचें। उल्लेखनीय है कि अत्यधिक गरीबी को मापने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गरीबी रेखा 2017-18 में इस्तेमाल किए गए पहले के 2.15 डॉलर से 3 डॉलर में स्थानांतरित हो गई है। उस निचली सीमा के अनुसार भारत में 2023 तक केवल 33.70 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे हैं। लेकिन 3 डॉलर की उच्च रेखा अधिक उपयुक्त है क्योंकि यह सभी कम आय वाले देशों की औसत गरीबी रेखाओं से ली गई है जिससे अंतरराष्ट्रीय तुलना अधिक वैध हो जाती है। यह राष्ट्रीय सर्वेक्षण डेटा और कार्यप्रणाली को भी ध्यान में रखता है।

यूएनडीपी और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एमपीआई एक अधिक व्यापक उपाय है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर को कवर करने वाले दस मैट्रिक्स का उपयोग करता है। इनमें बाल मृत्यु दर, खाना पकाने के ईंधन का उपयोग, स्वच्छता एवं पीने के पानी तक पहुंच आदि जैसे विशिष्ट संकेतक शामिल हैं। एमपीआई को मापने के लिए नीति आयोग 10 के बजाय 12 संकेतकों का उपयोग करते हुए मातृ स्वास्थ्य तथा बैंक खाते तक पहुंच को भी जोड़ता है।

नीति आयोग के शोध के अनुसार भारत का एमपीआई 2013-14 में 29 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.3 फीसदी हो गया। इस विश्लेषण के अनुसार (और एक अनुपलब्ध जनगणना संख्या की चेतावनी के साथ) लगभग 24.80 करोड़ लोग एमपीआई गरीबी से बच गए। यूएनडीपी द्वारा दस संकेतकों के साथ गणना की गई एमपीआई जिसका उपयोग अंतरराष्ट्रीय तुलना के लिए किया जाता है, के अनुसार 2019-21 के दौरान भारत की एमपीआई गरीबी दर 15 फीसदी थी जो नीति आयोग द्वारा गणना की गई तुलना में लगभग 4 प्रति सैकड़ा अधिक थी। चूंकि 2017-18 के लिए व्यापक उपभोग सर्वेक्षण डेटा गायब है इसलिए इस विसंगति को हल करना संभव नहीं है। वर्ष 2021-22 में यूएनडीपी एमपीआई हेडकाउंट अनुपात के अनुसार वैश्विक रैंक में 109 देशों में भारत 66 क्रमांक पर था। विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी पर अपने नवीनतम आंकड़ों के लिए एक सुसंगत वैश्विक रैंकिंग जारी नहीं की है। एमपीआई गरीबी दर के लिए नीति आयोग के आंकड़ों के मुकाबले यूएनडीपी द्वारा दिखाए गए उच्च एमपीआई ने विवाद पैदा कर दिया। बिजली या बैंक खातों जैसे अतिरिक्त संकेतकों का उपयोग जो सार्वभौमिक पहुंच के करीब हैं इस सूचकांक को तोड़ते-मरोड़ते हैं और इसे अधिक आशावादी बनाते हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों जैसे गहन सर्वेक्षणों से पुष्टि होने से पता चला है कि एनीमिया और कुपोषण जैसे संकेतकों में गिरावट आई है जो निश्चित रूप से एमपीआई को प्रभावित करते हैं।

बहरहाल हम संख्याओं और विवादों से परे जाएं जिनमें से कुछ छोटे-छोटे दोष जान-बूझकर निकालने की तरह लग सकते हैं। यह स्पष्ट है कि उच्च आर्थिक विकास सभी लोगों के जीवन की बेहतरी की ओर अग्रसर है। विश्व बैंक ने नोट किया है कि अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों में से दो तिहाई लोग पांच राज्यों से आते हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र शामिल हैं। स्पष्ट रूप से अगले 12 वर्षों में इस स्थिति में आया व्यापक सुधार इन राज्यों में गहन और सफल प्रयासों के कारण था। गत पांच वर्षों से 81 करोड़ लोगों को दी गई मुफ्त खाद्यान्न योजना, निश्चित रूप से गरीबी उन्मूलन में एक बड़ा कारक है। इस योजना को और पांच वर्षों के लिए बढ़ाया गया है। स्वास्थ्य बीमा, पेयजल मिशन आदि जैसी सार्वभौमिक योजनाओं का प्रभाव भी ऐसा ही है।

इस मामले में आगे बढ़ते हुए यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि गरीबी रेखा से ऊपर जाने का मतलब यह नहीं है कि आप फिर इसके नीचे नहीं आ सकते। यदि आजीविका अनिश्चित है तो परिवार में मृत्यु या बीमारी अथवा नौकरी छूटने जैसा एक प्रतिकूल सदमा इसे फिर गरीबी में वापस धकेल सकता है।

इसलिए हमें एक साथ सार्थक और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा का निर्माण करने की आवश्यकता है। राजकोषीय संसाधन सीमित हैं, सरकार के ऋण को गुब्बारे की तरह नहीं फुलाया जा सकता इसलिए सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने के लिए व्यय का कुछ पुनर्विन्यास जरूरी है। सामाजिक सुरक्षा लोक-लुभावनवाद के समान नहीं है यद्यपि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करना इसका एकमात्र दीर्घकालिक तरीका है जो नियमित ढंग से आजीविका में सुधार कर सकता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें। लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी। इसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी।

थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के नए हेड कोच, तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

लंदन। टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा। 51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेंटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी। टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीजन की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं।' फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेंटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं।

सिफ्त कौर समरा ने किया एसएलआई का समर्थन, कहा-शूटिंग क्रांति के लिए यह सही समय

नई दिल्ली। पंजाब की 23 वर्षीय शूटिंग स्टार सिफ्त कौर समरा ने भारत की पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) को देश में इस खेल के लिए एक गेम-चेंजर बताया है। एशियाई खेलों 2022 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में विश्व रिकॉर्ड 469.6 अंक बनाकर इतिहास रचने वाली सिफ्त को उम्मीद है कि यह लीग न केवल शूटर्स, बल्कि फैंस और भविष्य की प्रतिभाओं के लिए भी एक नया मंच तैयार करेगी। सिफ्त ने कहा, भारतीय शूटिंग में ऐसा पहली बार हो रहा है और मुझे बहुत गर्व है कि हम यह बड़ा कदम उठा रहे हैं। आज भी लोग शूटिंग को लेकर बहुत कुछ नहीं जानते। लीग फॉर्मेट इस खेल को दर्शकों के करीब लाएगा और हमें शूटर के तौर पर एक नया प्लेटफॉर्म देगा–प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भी और व्यक्तिगत तौर पर भी। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहले ही कई पदक जीत चुकीं सिफ्त–जिनमें एशियन गेम्स का गोल्ड और सिल्वर और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का ब्रॉन्ज शामिल है, लीग के उस फॉर्मेट को लेकर खास तौर पर उत्साहित हैं जिसमें भारत के टॉप शूटर एक-दूसरे के खिलाफ टीम राइवलरी में उतरेंगे।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4'), ललथनतलुआंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मेरी गोएन्स (37') और मॉर्ट मेरी (40') ने गोल किए। मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की।

फीफा क्लब विश्व कप : चोटिल जोर्डी अल्बा अल अहली के खिलाफ इंटर मियामी के पहले मैच से बाहर

एजेंसी

मियामी गार्डन्स। फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में इंटर मियामी को अपने पहले मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी स्पेनिश डिफेंडर जोर्डी आल्बा मांसपेशियों में चोट के चलते शनिवार को मिस्र की अल-अहली के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। इंटर मियामी के कोच जैवियर माशेरानो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि केवल आल्बा ही नहीं, बल्कि मिडफील्ड के मजबूत खिलाड़ी यानिक ब्राइट भी इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हालांकि माशेरानो को उम्मीद है कि दोनों खिलाड़ी अगले मुकाबले तक फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा, जोर्डी और यानिक इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन उम्मीद है कि वे अगले मैच के लिए तैयार रहेंगे।

आल्बा की गैरमौजूदगी मियामी के लिए बड़ा नुकसान

पूर्व बार्सिलोना डिफेंडर जोर्डी आल्बा की अनुपस्थिति से मियामी

की रक्षापंक्ति को कमजोर झटका लगेगा। इसके अलावा, उनका लियोनेल मेसी को पास देने में अहम योगदान रहता है, जिससे अटैक में भी कमी देखने को मिल सकती है।

मिडफील्ड में यानिक ब्राइट की गैरहाजिरी से भी टीम की फिजिकल ताकत पर असर पड़ेगा, खासकर तब जब वह सर्जियो बस्केट्स जैसे अनुभवी लेकिन उम्रदराज खिलाड़ी के साथ मैदान संभालते हैं।

मशेरानो बोले - यह हमारे लिए बड़ी चुनौती

माशेरानो ने कहा, हम चाहते थे कि हमारी पूरी टीम फिट होती, ताकि हम और मजबूत होते। लेकिन इसके बावजूद हम इस मंच पर खेलने को लेकर उत्साहित हैं। यह एक अनोखा टूर्नामेंट है और इसमें हिस्सा लेना हमारे लिए गर्व की बात है। यह हमारे लिए खुद को आंकने का मौका भी है।

ग्रुप स्टेज में तीन मुकाबले खेलेगी मियामी

इंटर मियामी ग्रुप 'ए' में खेल रही है। टीम शनिवार को अल-अहली से भिड़ेगी, इसके बाद गुरुवार को अटलांटा में पोर्टो से मुकाबला होगा और फिर अंतिम ग्रुप मैच ब्राजील की पामेइरास के खिलाफ साउथ फ्लोरिडा में खेला जाएगा। गौरतलब है कि इंटर मियामी ने पिछले सीजन में एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड जीतकर इस टूर्नामेंट में मेज़बान टीम के रूप में प्रवेश किया है। हालांकि, टीम प्लेऑफ के पहले दौर में अटलांटा से हार गई थी और एमएलएस कप लॉस एंजेलिस गैलेक्सी ने जीता था।

मैदान की स्थिति पर सवाल

जब मीडिया प्रतिनिधि मैच स्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि मैदान पर अभी तक लाइनिंग पूरी नहीं हुई थी और सतह पर काम चल रहा था। इस पर माशेरानो ने कहा, उम्मीद है कि मैदान मैच के लिए तैयार होगा। हमें इस पर भरोसा है कि फीफा ऐसे आयोजनों में अनुभवी है, लेकिन हमारा ध्यान उन्हीं चीजों पर है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं।

मेसी फीफा क्लब विश्व कप में इंटर मियामी का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक

एजेंसी

मियामी। फुटबॉल महानायक लियोनेल मेसी ने कहा है कि 2025 में अमेरिका में होने वाले फीफा क्लब विश्व कप के लिए उनकी उम्मीदें पहले के मुकाबलों से अलग होंगी, जब वह बार्सिलोना की ओर से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेते थे। मेसी 2009, 2011 और 2015 में बार्सिलोना के साथ क्लब विश्व कप जीत चुके हैं। इस बार यह टूर्नामेंट विस्तारित 32 टीमों के फॉर्मेट में खेला जाएगा, जो चार सप्ताह तक चलेगा और संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित होगा। फीफा से बातचीत में मेसी ने कहा,इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने का मौका बेहद खास है। इस बार की उम्मीदें अलग हैं, लेकिन मैं उत्साहित हूं और दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तत्पर हूं। इंटर मियामी अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में अल अहली के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम पाल्मेइरास और पोर्टो से भिड़ेगी। मेसी ने कहा कि फीफा के सभी छह महाद्वीपों की टीमों की भागीदारी इस टूर्नामेंट को खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए खास

अनुभव बनाएगी। उन्होंने कहा,दुनिया भर से बड़ी टीमें आ रही हैं और इससे दुनियाभर के लोगों की दिलचस्पी जुड़ी है। यह हमारे लिए एक नया और अलग अनुभव है। अमेरिका में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलते देखना एक अद्भुत अवसर है। हालांकि उन्होंने माना कि यूरोपीय क्लब खिताब के प्रबल दावेदार होंगे, लेकिन उन्होंने दक्षिण अमेरिकी और अन्य क्षेत्रों की टीमों को भी हल्के में नहीं आंका। मेसी ने कहा,यह दक्षिण अमेरिकी और उभरती हुई टीमों के लिए भी बड़ा मौका है कि वे यूरोपीय दिग्गजों के खिलाफ खेलें। वे टीमें जिनके पास दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं और जिन्हें देखने के लिए लोग बेताब रहते हैं।यह खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक शानदार अनुभव होगा। 2025 क्लब विश्व कप की शुरुआत इस शनिवार से हो रही है और यह टूर्नामेंट 2025 गर्मियों में अमेरिका में आयोजित होने वाले सबसे बड़े फुटबॉल आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप: अर्जुन एरिगैसी की अगुवाई में टीम एमजीडी1 ने रैपिड खिताब जीत रचा इतिहास

एजेंसी

लंदन। भारतीय शतरंज के इतिहास में एक गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब पुणे स्थित टीम एमजीडी 1 ने अर्जुन एरिगैसी की कप्तानी में फिडे वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप 2025 का रैपिड खिताब जीत लिया। यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय-प्रायोजित टीम बन गई है। टीम एमजीडी1 केवल एक शतरंज टीम नहीं बल्कि एक शतरंज प्रबंधन और निवेश संस्था है, जो प्रतिभाओं को संवारने, टूर्नामेंट आयोजित करने और अपनी फ्लैगशिप टीम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतारने का कार्य करती है। इस टीम की खासियत यह रही कि यह पूरी तरह भारतीय प्रतिभाओं पर आधारित रही, जिसमें अर्जुन एरिगैसी के अलावा पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन ल्यूक मेंडोंका, प्रणव वी और अथर्व पी. तायड़े शामिल रहे। फाइनल राउंड में एमजीडी1 का मुकाबला 'माल्कम्स मेट्स% से हुआ, जहां अर्जुन एरिगैसी, प्रणव वी और अथर्व तायड़े ने निर्णायक जीतें दर्ज करते हुए टीम को ऐतिहासिक खिताब दिलाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमजीडी1 का मुख्य मुकाबला 'हेक्सामाइंड' टीम से रहा, जिसमें लेवोन अरोनियन, विदित गुजराती और दिव्या देशमुख जैसे सितारे शामिल थे। हेक्सामाइंड ने अंततः 1 मैच प्वाइंट से पीछे रहकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली 'फ्रीडम' टीम ने 17 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पहले दिन की मुख्य झलकियां: टूर्नामेंट के पहले दिन चार राउंड के बाद एमजीडी1 ने 4 में से 4 मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं अलीरेज़ा फिरोज़ा, हिकारू नाकामुरा और अलेक्ज़ांद्रा कोस्टेनियुक जैसे दिग्गजों वाली डब्ल्यूआर चेस टीम ने विश्वनाथन आनंद की 'फ्रीडम' टीम से ड्रॉ खेला और दूसरे स्थान पर रही। इस बार टूर्नामेंट में दो प्रमुख नाम - मैग्नस कार्लसन और इयान नेपोमनियाची - शामिल नहीं हो सके। कार्लसन 2023 में डब्ल्यूआर चेस को ब्लिट्ज खिताब दिला चुके हैं, जबकि नेपोमनियाची पासपोर्ट संबंधी समस्याओं के कारण अनुपस्थित रहे।

दूसरे दिन की मुख्य झलकियां

दूसरे दिन भारतीय प्रशंसकों के लिए खास रहा जब विश्वनाथन आनंद ने अपनी पुरानी चमक दिखाते हुए राउंड 5 में अर्जुन एरिगैसी को हराकर 'फ्रीडम' को अहम जीत दिलाई। यह एमजीडी1 की इस संस्करण में पहली हार रही। हालांकि अगले ही राउंड में एमजीडी1 ने डब्ल्यूआर चेस को हराकर जोरदार वापसी की। वहीं हेक्सामाइंड टीम लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एमजीडी1 की बराबरी तक पहुंच गई और आठ राउंड के बाद दोनों के 13-13 मैच प्वाइंट हो गए।

उत्तर प्रदेश में अंतर राज्य खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर स्थान हासिल कर लौटे खिलाड़ियों का हुआ स्वागत

एजेंसी

आरएस पुरा। उत्तर प्रदेश में आयोजित हुई तीन दिवसीय अंतर राज्य खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर वापस लौटे कबड्डी तथा क्रिकेट खिलाड़ियों का गांव टांडा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जोरदार तरीके के साथ स्वागत किया गया। इस मौके पर पीडीपी के विधानसभा प्रभारी नरेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिन्होंने खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मिठाई खिलाकर और उनको ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया और उनकी इस सफलता पर उन्हें मुबारकबाद दी। इस मौके पर पीडीपी के विधानसभा प्रभारी नरेंद्र शर्मा ने कहा कि कबड्डी कोच गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला जम्मू से एक खिलाड़ियों का दल उत्तर प्रदेश में आयोजित हुई अंतर राज्य खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने गया हुआ था और उन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर जम्मू कश्मीर का नाम रोशन किया है जिसके चलते आज इन खिलाड़ियों का स्वागत किया गया है और उनको इस सफलता पर मुबारकबाद दी गई है। नरेंद्र शर्मा ने कोच गौरव कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके द्वारा लगातार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जा रहा है और उनकी तरफ से समय-समय पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करवाया जाता है। कबड्डी कोच गौरव कुमार ने बताया कि प्रदेश में आयोजित हुई इस खेल प्रतियोगिताओं में कबड्डी तथा क्रिकेट में जम्मू कश्मीर के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का आगामी नॉर्थ जोन खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए चयन होगा।

कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर 29 जून को होगा फैसला: कल्याण चौबे

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि भारत की पुरुष फुटबॉल टीम के कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर निर्णय 29 जून को होने वाली कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, मनोलो मार्केज़ एक अनुभवी और भारतीय फुटबॉल को समझने वाले कोच हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे कई कॉल्स आ रही हैं कि क्या वह कोच बने रहेंगे या नहीं। इस पर अंतिम निर्णय कार्यकारिणी की बैठक में लिया जाएगा। हालांकि, यह सोचना अवास्तविक है कि बिना गोल किए हम जीत सकते हैं।

मार्केज़ ने इगोर स्टिमाक की जगह भारतीय टीम के कोच का पद संभाला था, लेकिन अब तक वह एक भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच जीतने में नाकाम रहे हैं। एएफसी एशियन कप क्वालिफायर में भारत को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 0-1 से हार और बांग्लादेश से गोलरहित ड्रॉ ने आलोचनाओं को जन्म दिया है और कोच को हटाने की मांग तेज हो गई है।

ओसीआई खिलाड़ियों को

भारतीय टीम में शामिल करने की कवायद: कल्याण चौबे ने बताया कि एआईएफएफ उन भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों यानी ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) को टीम में शामिल करने के लिए कई सरकारी विभागों के संपर्क में है। उन्होंने कहा, हमने इस विषय पर सरकार के कई मंत्रालयों से संवाद शुरू किया है और शुरुआती प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। हम 33 ऐसे खिलाड़ियों से संपर्क में हैं जिनमें से कुछ के पास ओसीआई कार्ड है और कुछ आवेदन की प्रक्रिया में हैं। हम उन्हें इस प्रक्रिया में सहायता भी दे रहे हैं। भारतीय सुपर लीग (आईएसएल) में भारतीय स्ट्राइकरों की भागीदारी कम होने को लेकर भी सवाल उठे। कल्याण चौबे ने कहा, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में कटौती पर एआईएफएफ अकेले निर्णय नहीं ले सकता। सभी हितधारकों को मिलकर निर्णय लेना होगा।

जिला प्रशासन सांबा ने दंगल-कुश्ती आयोजनों पर तत्काल प्रभाव से लगाई रोक

एजेंसी

सांबा। जिला सांबा में प्रचंड गर्मी और बढ़ते तापमान के चलते जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पारंपरिक कुश्ती (दंगल/कुश्ती) प्रतियोगिताओं पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी किया गया है जिला मजिस्ट्रेट राजेश शर्मा (जेकेएएस) द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनज़र ऐसे आयोजनों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों और दर्शकों की जान-

माल की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। खासतौर से गर्मी के इस दौर में ऐसे शारीरिक आयोजनों से हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आदेश के अनुसार जब तक मौसम के हालात सामान्य नहीं हो जाते और स्थिति अनुकूल नहीं होती तब तक जिले में किसी भी तरह के दंगल या कुश्ती मुकाबलों पर रोक रहेगी। आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह प्रतिबंध आज दिनांक 13 जून 2025 से प्रभावी हो गया है और अगले आदेश तक लागू रहेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025:मार्करम का शतक, बावुमा का जज़्बा- जीत के बेहद करीब पहुंचा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी

लंदन। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल 2025 के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। ऐडन मार्करम के शानदार नाबाद शतक (102*) और कप्तान टेम्बा बावुमा के जुझारू 65* रनों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने दिन का खेल समाप्त होने तक 213/2 रन बना लिए हैं और अब जीत से केवल 69 रन दूर है।मार्करम का शानदार शतक, बावुमा का साहसी साथदक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में शुरुआती झटका जरूर खाया, जब रयान रिकेल्टन सिर्फ 6 रन बनाकर मिशेल स्टार्क की गेंद पर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। लेकिन इसके बाद मार्करम और वियान मुल्डर (27) ने 61 रनों की साझेदारी करते हुए पारी

को संभाला। स्टार्क ने मुल्डर को चाय से पहले आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाई।इसके बाद मार्करम को कप्तान बावुमा का साथ मिला, जिन्होंने हैमस्ट्रिंग की परेशानी के बावजूद न सिर्फ विकेट थामे रखा बल्कि 83 गेंदों में अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों ने 143 रनों की अविजित साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को विकेट के लिए तरसा दिया। ऑस्ट्रेलिया की कोशिशें बेअसरतीसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया को एक भी सफलता नहीं मिली। कप्तान पैट कमिंस ने नाथन लायन के साथ-साथ पार्ट-टाइम गेंदबाजों को भी आज़माया, लेकिन उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने गेंद भी 53वें ओवर के बाद बदलवाई, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने कोई गलती नहीं की।

मार्करम ने अपनी पारी में धैर्य और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाया और 90 के पार पहुंचने के बाद आखिरकार जोश हेज़लवुड की गेंद पर मिडविकेट की ओर फ्लिक कर अपना आठवां टेस्ट शतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलियाई टेल ने दिखाई जुझारू बल्लेबाज़ीइससे पहले, तीसरे दिन की सुबह ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट पर 144 रन से आगे खेलते हुए आखिरी विकेट के लिए 63 रन जोड़े।

स्टटगार्ट ओपन 2025: अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जस्टिन एंगेल ने रचा इतिहास

स्टटगार्ट। जर्मनी के शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को 6-2, 7-6(7) से हराकर स्टटगार्ट ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट विंबलडन की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम माना जा रहा है। फ्रेंच ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करने वाले ज्वेरेव ग्रास कोर्ट पर अब तक संघर्ष करते आए हैं और उन्होंने अभी तक इस सतह पर कोई खिताब नहीं जीता है। ज्वेरेव बोले - जीत ही सबसे अहम28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे सेट में मौटे ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, टाईब्रेकर में ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। उन्होंने कहा, मैं 6-2, 6-2 से जीतना पसंद करता, लेकिन मैच में ऐसा नहीं चुन सकते। जीत सबसे अहम होती है और मैं खुश हूं कि कल फिर खेलने का मौका मिलेगा।

सुरुचि ने म्यूनिख में पूरी की गोल्डन हैट्रिक

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चैंपियन सुरुचि ने म्यूनिख में इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल) में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा जीतकर अभूतपूर्व गोल्डन हैट्रिक पूरी की और भारत को प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक भी दिलाया। युवा निशानेबाज़ ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में 241.9 अंक हासिल किए और फ्रांस की पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता कैमिल जेद्रजेवस्की को केवल 0.2 अंकों से पीछे छोड़ते हुए रजत पर रोक दिया। चीन की याओ चियानशुआन ने कांस्य पदक जीता। सुरुचि ने इस वर्ष की पहली दो वर्ल्ड कप स्टेज- ब्यूनस आयर्स और लीमा- में भी यही स्पर्धा जीती थी। वास्तव में, ब्यूनस आयर्स में उन्होंने वर्ल्ड कप में अपना डेब्यू किया था और अब तक की अपनी सभी तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप स्टेज में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। दिसंबर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप से शुरू हुए अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते

हुए हरियाणा की इस निशानेबाज़ ने क्वालिफिकेशन में 588 अंक हासिल किए और मनु भाकर द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। याओ ने 589 अंकों के साथ जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए 110 खिलाड़ियों के फील्ड में शीर्ष स्थान हासिल किया। फाइनल में शुरुआती सीरीज़ में 52.1 अंक लेकर उन्होंने अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरी पांच-शॉट सीरीज़ के अंत तक वह दूसरे स्थान पर खिसक गईं। 11वीं शॉट में 9.7 के स्कोर के बाद वह चौथे स्थान पर आ गईं और यहीं से उनके प्रदर्शन में तेजी आई। 12वीं शॉट में शानदार 10.8 स्कोर कर उन्होंने फिर से बढ़त हासिल की, जिसके बाद मुकाबला पूरी तरह से संघर्षपूर्ण हो गया। कैमिल और याओ उनके सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी बने रहे, और भारतीय खिलाड़ी की कुछ 9 स्कोर का फायदा उठाकर फ्रांसीसी निशानेबाज़ ने 18वीं शॉट के बाद बढ़त बना ली। इसके बाद याओ ने अपनी 22वीं शॉट में 9.4 स्कोर किया, जिससे सुरुचि कैमिल के पीछे दूसरे स्थान पर आ गईं। अंतिम दो शॉट में प्रवेश करते समय वह कैमिल से 0.5 अंक पीछे थीं। 23वीं शॉट में सुरुचि ने 10.5 जबकि कैमिल ने 9.5 स्कोर किया, जिससे भारतीय निशानेबाज़ 0.5 अंक से आगे निकल गईं। आखिरी शॉट में दोनों ने 9 स्कोर किया, लेकिन सुरुचि ने बढ़त बनाए रखी और स्वर्ण पदक जीत लिया।

अल्टीमेट खो-खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर से, केकेएफआई अध्यक्ष ने की घोषणा

गुरुग्राम। खो-खो के वैश्वीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने घोषणा की है कि आगामी तीसरे सीजन की अल्टीमेट खो खो (यूकेके) खिलाड़ियों की नीलामी में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे। यह घोषणा श्री गुरु गोबिंद सिंह टरसेन्टेनरी (एसजीटी) विश्वविद्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने की। उन्होंने यह भी बताया कि अल्टीमेट खो-खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर 2025 से की जाएगी, जो भारत की पेशेवर खो-खो लीग के लिए एक नया अध्याय होगा। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के राज्य मंत्री (युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल, कानून एवं विधायी कार्य) गौरव गौतम भी उपस्थित रहे। उन्होंने केकेएफआई द्वारा खो-खो को वैश्विक मंच पर ले जाने के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह हरियाणा में खेल विकास को भी गति देगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्य प्रमुख अतिथियों में एसजीटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हेमंत वर्मा, एसजीटी विश्वविद्यालय की गवर्निंग बॉडी के सदस्य अमृत सिंह चावला और हरियाणा खो-खो फेडरेशन के अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव शामिल रहे। यादव ने वादा किया कि हरियाणा में खो-खो को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा और खिलाड़ियों को अधिक सुविधाएं व रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। इस दौरान यह भी घोषणा की गई कि खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया और एसजीटी विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसका उद्देश्य पारंपरिक खेलों, विशेषकर खो-खो, के लिए शैक्षणिक और वैज्ञानिक संसाधनों का विकास करना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुधांशु मित्तल ने कहा, खो-खो आज भारत की खेल नवाचार और महत्वाकांक्षा का प्रतीक बन चुका है। अल्टीमेट खो खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर 2025 से हो रही है, और हम गर्व के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि इस बार पहली बार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी इसमें भाग लेंगे। यह कदम न केवल लीग की प्रतिस्पर्धा को नई ऊंचाई देगा बल्कि भारत को खो-खो का वैश्विक केंद्र बनाने की हमारी दृष्टि को भी दर्शाता है। अल्टीमेट खो खो लीग के तीसरे सीजन में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी लीग के स्तर और इसकी वैश्विक पहचान को नई दिशा देगी। गति, रणनीति और कौशल के अनूठे मिश्रण के साथ यह लीग 2022 में शुरू होने के बाद तेजी से लोकप्रिय हुई है। यह भारत में क्रिकेट के अलावा तीसरी सबसे अधिक देखी जाने वाली खेल लीग बन चुकी है- प्रो कबड्डी लीग और इंडियन सुपर लीग के बाद। पहले सीजन को 64 मिलियन दर्शकों ने देखा था, जिनमें से 41 मिलियन भारत से थे। ओडिशा जगर्नॉट्स ने पहला खिताब जीता था, जबकि गुजरात जायंट्स ने 2023-24 सीजन में जीत दर्ज की। इस कार्यक्रम के दौरान एडवांस्ड लेवल III A प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी प्रकाश डाला गया, जो कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए एक दो-सप्ताह का गहन प्रशिक्षण शिविर है। यह कार्यक्रम केकेएफआई और आईकेकेएफ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य खेल के तकनीकी और वैज्ञानिक ढांचे को मजबूत करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 230 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जिनमें श्रीलंका, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, इंग्लैंड, मलेशिया, नेपाल आदि देशों के 20+ अंतरराष्ट्रीय कोच और तकनीकी अधिकारी शामिल हैं। खास बात यह रही कि इस बार प्रशिक्षण कार्यक्रम हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित किया गया, जिससे ब्राज़ील और पेरू जैसे देशों की ऑनलाइन भागीदारी भी संभव हो पाई।

संसद चलाने के लिए सरकार को माओवादी पार्टी का साथ मिला, अन्य विपक्षी पार्टियों का विरोध जारी

काठमांडू। गृह मंत्री रमेश लेखक के इस्तीफे की मांग से पीछे हटते हुए माओवादी और सत्तारूढ़ दल के बीच एक सहमति हुई है। पिछले 17 दिनों से संसद की कार्रवाई रोकने वाले प्रमुख विपक्षी दल माओवादी ने आज सत्ता पक्ष के साथ समझौता कर लिया है। हालांकि, बाकी विपक्षी दलों का विरोध अभी भी जारी है। सहमति के मुताबिक माओवादी पार्टी गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग से पीछे हटते हुए संसद को सुचारु रूप से चलने देने में सहयोग करेगी। इसी तरह सरकार मानव तस्करी मामले में निष्पक्ष जांच आगे बढ़ाएगी। इस समझौते के बारे में माओवादी के प्रमुख सचेतक हितराज पांडे ने कहा कि संसद के बजट सत्र को अधिक समय तक रोकना उचित नहीं था इसलिए उनकी पार्टी ने बजट पारित करने के लिए अवरोध को खत्म करने का प्रयास किया है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद मनीष झा ने कहा कि भले ही माओवादी पार्टी सत्ता पक्ष के साथ मिल गई हो, लेकिन मानव तस्करी के संलग्न गृह मंत्री रमेश लेखक के इस्तीफे के बिना उनका अवरोध जारी रहेगा। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के साथ ही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी संसद में अवरोध जारी रखने का फैसला किया है।

सऊदी अरब में बांग्लादेश के 21 पुरुषों समेत 23 हज यात्रियों की मौत

ढाका। बांग्लादेश से इस वर्ष सऊदी अरब हज करने गए 87,100 जायरीन में से 23 की मौत हो गई। इनमें 21 पुरुष और दो महिलाएं हैं। पिछले साल 65 और 2023 में 121 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। इस बीच सऊदी अरब से बांग्लादेश के हाजियों की वापसी शुरू हो चुकी है। द डेली स्टार अखबार की खबर में धार्मिक मामलों के मंत्रालय के हज प्रबंधन पोर्टल के नवीनतम अपडेट के हवाले से बताया गया है कि इस वर्ष सऊदी अरब में हज करते समय कुल 23 बांग्लादेशी तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। मृतकों में 21 पुरुष और दो महिलाएं हैं। इसमें 15 लोगों की मक्का में, सात की मदीना में और एक जायरीन की मौत अराफात में हुई। इस साल जेद्दा, मीना या मुजदलिफा से किसी के मरने की सूचना नहीं है। सऊदी अरब से हज वापसी की उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। बांग्लादेश के 369 यात्रियों को लेकर पहली वापसी हज उड़ान 10 जून को सुबह 10:54 बजे राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची थी। स्वदेश लौटे जायरीन का बोर्डिंग गेट पर फूलों से स्वागत किया गया। एयरलाइंस के बूथ पर उन्हें जमजम पानी की बोतलें दी गईं। बांग्लादेश धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार हज उड़ानों का वापसी चरण 10 जुलाई तक जारी रहेगा।

आव्रजन छापेमारी के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी मरीन लॉस एंजिलेस पहुंच

लॉस एंजिलेस। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े शहर लॉस एंजिल्स में संघीय भवन की सुरक्षा के लिए लगभग 200 अमेरिकी मरीनों को तैनात किया गया है। शहर में वर्तमान प्रशासन के आव्रजन छापों के विरोध में एक सप्ताह से विरोध प्रदर्शन चल रहा है। सेना ने यह जानकारी दी। सेना के मेजर जनरल स्कॉट शेरमेन ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि टास्क फोर्स 51 के कमांडर, जिसमें कैलिफोर्निया आर्मी नेशनल गार्ड के 4,000 से ज्यादा सैनिक और करीब 700 मरीन शामिल हैं, मरीन नागरिक अशांति प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि मरीन कानून प्रवर्तन गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे। इस बीच लॉस एंजिलेस क्षेत्र में 'विलशायर' संघीय इमारत के बाहर कुछ मरीन को पहरा देते हुए देखा गया विलशायर बुलेवार्ड पर स्थित इस 17 मंजिला संघीय इमारत में कई संघीय कार्यालय स्थित हैं जिसमें अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) का क्षेत्रीय कार्यालय भी शामिल है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम और अन्य स्थानीय अधिकारियों की आपत्ति के बावजूद लॉस एंजिलस में 4,000 से अधिक नेशनल गार्ड सदस्यों और लगभग 700 सक्रिय-ड्यूटी मरीन को भेजने का निर्णय लिया है। अमेरिकी उत्तरी कमान की एक समाचार विज्ञप्ति के अनुसार 2,100 नेशनल गार्ड सैनिकों और 700 मरीन सहित लगभग 2,800 सेवा सदस्यों को ग्रेटर लॉस एंजिलेस क्षेत्र में तैनात किया गया है।

अमेरिकी मदद से ईरान के जवाबी हमलों को निष्क्रिय कर रहा इजरायल

यरूशलम। इजरायल ईरान की ओर से जवाबी में हमले में दागीं मिसाइलों को अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली और एक नौसैनिक विध्वंसक की मदद से निष्क्रिय कर रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने शुक्रवार को आरआईए नोवोस्ती को बताया कि अमेरिका ने इजराइल को ईरान की मिसाइलों को रोकने में मदद दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने 'द वाशिंगटन पोस्ट' को बताया कि देश के पास पश्चिम एशिया में जमीन पर आधारित पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली और टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एयर डिफेंस सिस्टम दोनों हैं। अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली, साथ ही पूर्वी भूमध्य सागर में अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक का इस्तेमाल इजरायल की ओर बढ़ रही ईरानी मिसाइलों को मार गिराने के लिए किया गया। दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के लड़ाकू विमान पश्चिम एशिया में गश्त कर रहे हैं और अमेरिका जहाज समेत अपने सैन्य संसाधन इस क्षेत्र में स्थानांतरित कर रहा है।

फ्रांस में पहले स्थानीय चिकनगुनिया मामले की पुष्टि, स्वास्थ्य अधिकारी इलाके की कर रहे जांच

एजेंसी

पेरिस । फ्रांस में स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस साल का पहला स्थानीय रूप से प्रसारित चिकनगुनिया का मामला दर्ज किया है। चिकनगुनिया मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, प्रोवेंस-आल्प्स-कोट द%अज़्यूर (पीएसीए) की क्षेत्रीय स्वास्थ्य एजेंसी (एआरएस) ने बताया कि चिकनगुनिया का पहला मामला फ्रांस के दक्षिणी इलाके वर के एक शहर ला क्रो में मिला है। एआरएस ने कहा, किसी मामले को स्थानीय तब कहा जाता है जब किसी व्यक्ति को यह बीमारी देश के अंदर ही हुई हो और उसने लक्षणों के शुरू होने से 15 दिन पहले किसी संक्रमित इलाके की यात्रा न की हो। अगर चिकनगुनिया का मामला यात्रा से जुड़ा नहीं है, तो इसका मतलब है कि जो मच्छर यह वायरस फैलाते हैं, वे देश के अंदर ही मौजूद हैं। मामले सामने आने के बाद इलाके के स्वास्थ्य अधिकारी घर-घर जाकर जांच कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं और किसी व्यक्ति में चिकनगुनिया के लक्षण तो नहीं हैं। एआरएस ने कहा, बीमारी को फैलने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फ्रांस के बाहर स्थित ला रियूनियन द्वीप पर चिकनगुनिया का प्रकोप काफी बढ़ गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल की शुरुआत से अब तक द्वीप पर 53,749 लोग इस बीमारी से संक्रमित

हो चुके हैं और 23 लोगों की मौत हो गई है। इसे देखते हुए अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने हाल ही में कई देशों में चिकनगुनिया के प्रकोप के चलते एक यात्रा संबंधी सलाह जारी की है। इनमें केन्या, मेडागास्कर, मॉरिशस, मायोट, रीयूनियन, सोमालिया और श्रीलंका शामिल हैं। सीडीसी ने कहा, ÷चिकनगुनिया वायरस से संक्रमित ज्यादातर लोगों में कुछ लक्षण विकसित होते हैं। मच्छर के काटने से खुद को बचाकर आप इस बीमारी से बच सकते हैं। इसके लिए कीटनाशक का इस्तेमाल करें, लंबे बाजू की शर्ट और पैंट पहनें, और ऐसे जगहों पर रहें जहां एयर कंडीशनिंग हो या खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगी हो। सीडीसी ने उन यात्रियों को भी टीका लगवाने की सलाह दी है जो चिकनगुनिया बीमारी फैलने वाले इलाके में जा रहे हैं चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है जो मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलती है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, थकान, सिरदर्द और शरीर पर दाने शामिल हैं।

मध्य पूर्व में बिगड़े हालात के लिए ईरान जिम्मेदार, इजराइल की रक्षा करेगा फ्रांस-राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

एजेंसी

इस्तांबुल (तुर्किये)/पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि ईरान के हमला करने पर उनका देश इजरायल की रक्षा करेगा। उन्होंने यह जरूर साफ किया कि फ्रांस आक्रामक अभियान में हिस्सा नहीं लेगा। मैक्रों ने ईरान पर इजराइली हवाई हमलों के बाद बढ़े तनाव के जवाब मेंराजनयिक मार्ग की वकालत की। इसके अलावा मैक्रों ने साजो-सामान और सुरक्षा कारणों से फिलिस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को स्थगित करने की पुष्टि की। तुर्किये की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू की खबर में इस पर व्यापक चर्चा की गई है। अनादोलू के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों ने यह घोषणा की। मैक्रों ने कहा कि अगर ईरान जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर हमला करता है, तो फ्रांस इजरायल की रक्षा और बचाव के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा कि बढ़े तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीतिक मार्ग बेहतर विकल्प हो सकता है। मैक्रों ने कहा, पूरे क्षेत्र में अस्थिरता के बड़े जोखिम का सामना करते हुए फ्रांस अब सभी पक्षों से आग्रह करता है कि वे तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए सबसे अधिक संयम बरतें। ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा एक गंभीर मामला है। एक अस्तित्वगत मामला है। इसे अब बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि ईरान ने सीमित निम्न-स्तरीय यूरेनियम संवर्धन की अनुमति देने वाले अमेरिकी प्रस्ताव को गंभीरता से नहीं लिय। उन्होंने कहा, मैं इसे अत्यंत स्पष्टता के साथ कहता हूं कि ईरान के परमाणु हथियारों की ओर बढ़ने का जोखिम क्षेत्र, यूरोप और व्यापक रूप से सामूहिक स्थिरता के लिए खतरा है।

इजरायली हमले से ईरान के साथ परमाणु समझौता करने में मिल सकती है मदद - ट्रंप

एजेंसी

ह्यूस्टन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि इजरायली हमले से उनके प्रशासन को ईरान के साथ परमाणु समझौता करने में मदद मिल सकती है। मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने जब ट्रंप से पूछा कि क्या इजरायल की बमबारी ने समझौते को खतरे में डाला? इस पर ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। शायद इसके विपरीत। शायद अब वह गंभीरता से बातचीत करेंगे। मैं उन्हें 60 दिनों में डील करने के लिए राजी नहीं कर सका। वह डील के करीब थे, उन्हें यह करना चाहिए था। शायद अब यह हो जाएगा। समाचार एजेंसी ने एक्सियोस की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि ट्रंप ने हमले के बाद पहली बार इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की।रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर हुई इस बातचीत का विवरण देने से इनकार कर दिया है। वह इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहते थे कि नेतन्याहू ने

संयुक्त राज्य अमेरिका से सीधे ऑपरेशन में शामिल होने के लिए कहा था या नहीं।

ट्रंप ने कई मीडिया आउटलेट्स को इंटरव्यू दिए। इस दौरान ट्रंप ने बार-बार ईरान से इजरायल के आगे के हमलों से बचने के लिए परमाणु समझौता करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह और भी नृशंसहोगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूज से कहा, उन्होंने डील करने का मौका गंवा दिया। अब उनके पास एक और अवसर हो सकता है। हम देखेंगे। ट्रंप ने रॉयटर्स से कहा, वह अभी भी एक डील कर सकते हैं। अभी बहुत देर नहीं हुई है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पोस्ट में लिखा, ईरान को एक डील करनी चाहिए, इससे पहले कि कुछ भी न बचे। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने कतर और कई अन्य अमेरिकी मध्य पूर्व सहयोगियों को इजरायल के ईरान पर हमला करने से कुछ घंटे पहले सूचित किया था। ट्रंप ने वाशिंगटन पोस्ट को बताया कि उन्हें पहले ही पता था कि इजरायल ईरान पर हमला करेगा। उन्होंने कहा, ÷मुझे तारीख पता थी, क्योंकि मैं सब कुछ जानता हूं। मैं सब कुछ जानता हूं। मैं सब कुछ जानता हूं।

'सिंधु जल संधि' पर चेतावनी देने के साथ प्रार्थना भी कर रहे पाकिस्तान के नेता

एजेंसी

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। पाकिस्तान के चेहरे से आतंकवाद का नकाब नोचे जाने के बाद उसके नेता दुनियाभर में द्विअर्थी संवादों से जगहंसाई करवा रहे हैं। पहलगाम में आतंकी हमला करने के बाद भारत के सिंधु जल संधि पर वह गरम होने के साथ चिरौरी (प्रार्थना) भी करते नजर आते हैं। कुछ ऐसा ही ब्रुसेल्स में 13 जून को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कर दिखाया। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, बिलावल ने देश के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि पर्यावरण संसाधनों, खासकर पानी को हथियार में बदलने से क्षेत्र में शांति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बिलावल ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि के तहत पानी को रोकता है, तो पाकिस्तान के पास इसका कड़ा जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि जैसे समझौतों को कमजोर करने ने बेल्जियम के सांसदों, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और यूरोपीय संसद के प्रमुख सदस्यों से मुलाकात

से क्षेत्रीय शांति को नुकसान पहुंच सकता है और दक्षिण एशिया संघर्ष की ओर बढ़ सकता है। बिलावल ने कहा, भारत की आक्रामकता का जवाब नहीं दिया जाएगा। हम अपनी जमीन पर डटे रहेंगे। बताया गया है कि इससे पहले बिलावल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल की। इनमें विदेश मामलों की समिति की उपाध्यक्ष कैथलीन डेपोर्टर और पाकिस्तान-बेल्जियम मैत्री समूह के अध्यक्ष फ्रैंकी डेमन शामिल थे। बिलावल ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई की भी आलोचना की।

ईरान ने इजरायल पर दागी मिसाइलें, बढ़ते टकराव के बीच एनएससी की आपात बैठक

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । ईरान ने अपनी न्यूक्लियर फैसिलिटी और नेताओं पर हमले का बदला लेते हुए इजरायल पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। सुरक्षा परिषद ने इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के शीर्ष अधिकारी को चेतावनी दी है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमलों के %गंभीर परिणाम% हो सकते हैं। %आईएईए% के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा, ÷न्यूक्लियर फैसिलिटी की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कोई भी सैन्य कार्रवाई ईरान, क्षेत्र और उससे बाहर के लोगों के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। आईएईए की जनरल काउंसिल ने कहा है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर सैन्य हमले यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की अंडर सेक्रेटरी जनरल रोजमेरी डिकार्लो ने

ईरान के अनुरोध पर बुलाई गई काउंसिल की आपातकालीन बैठक में कहा, हमें हर कीमत पर बढ़ते संघर्ष से बचना चाहिए, जिसके वैश्विक परिणाम बहुत घातक होंगे।

रोजमेरी डिकार्लो ने कहा कि रविवार को ओमान में वाशिंगटन और तेहरान के बीच वार्ता फिर से शुरू होने के साथ ही महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम के चलते इजरायल ने ईरान पर हमला किया। ईरान ने इस वार्ता से खुद को अलग कर लिया है। डिकार्लो ने कहा, ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम की शांतिपूर्ण प्रकृति को सुनिश्चित करने के लिए वार्ता के जरिए शांतिपूर्ण समाधान सबसे अच्छा विचार है। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मैककॉय पिट ने बताया कि अमेरिका अभी भी बातचीत को तैयार है। उन्होंने कहा, हम शांति चाहते हैं। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- हिंसा खत्म होनी चाहिए और ईरान को एक समझौता करना चाहिए, ताकि कोई और मौत, कोई और विनाश न हो। संयुक्त राज्य अमेरिका एक राजनयिक समाधान की तलाश जारी रखेगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि ईरान कभी भी न्यूक्लियर वैपन हासिल न करे।

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच नेपाली दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

काठमांडू। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इज़राइल में नेपाल के दूतावास ने एक सार्वजनिक परामर्श जारी कर इजराइल में रहने वाले नेपाली नागरिकों से अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने और सतर्क रहने का आग्रह किया है। दूतावास ने इजराइली होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ अपडेट रहने को कहा है। नेपाली नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे इजराइल के राष्ट्रीय आपातकालीन पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध नवीनतम दिशा-निर्देशों का पालन करें और आश्रयों या सुरक्षित शरण क्षेत्रों के करीब रहें दूतावास ने कहा, क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, इजराइली होम फ्रंट कमांड ने नए सार्वजनिक सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। हम सभी नेपाली भाइयों और बहनों से अनुरोध करते हैं कि वे नवीनतम स्थानीय सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में सूचित रहें, उन प्रोटोकॉल का पालन करें, और सुरक्षित शरण सुविधाओं वाले आश्रयों या क्षेत्रों के करीब रहें। यह परामर्श इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि के बाद आया है, जिसमें ईरान के अंदर हाल ही में इजराइली हमला भी शामिल है, जिससे संभावित संघर्ष वृद्धि के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। दूतावास इजराइल में नेपाली नागरिकों को अधिकतम सावधानी बरतने और निरंतर अपडेट के लिए दूतावास के अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए आग्रह किया गया है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: काली पट्टी बांधेगा ब्रिटिश शाही परिवार, रखा जाएगा एक मिनट का मौन

एजेंसी

लंदन । ब्रिटिश शाही परिवार एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के सम्मान में वार्षिक 'ट्रूपिंग द कलर परेड' के दौरान काली पट्टी बांधेगा। इसके साथ ही एक मिनट का मौन रखा जाएगा। यह वार्षिक परेड किंग चार्ल्स के जन्मदिन के मौके पर आयोजित की जाती है, जिसमें 1,350 से अधिक सैनिक शामिल होते हैं। महल के प्रवक्ता के अनुसार, किंग इस भयानक त्रासदी में मारे गए लोगों, शोक में डूबे परिवारों और दुर्घटना से प्रभावित लोगों के सम्मान में अपने जन्मदिन की परेड में बदलाव चाहते थे। इससे पहले गुरुवार को किंग चार्ल्स एक बयान में इस विमान दुर्घटना पर दुख जता चुके हैं। जारी किए गए इस बयान में कहा गया है, अहमदाबाद में हुई भयानक घटना से मेरी पत्नी और मैं

बेहद सदमे में हैं। हमारी विशेष प्रार्थनाएं और गहरी सहानुभूति उन सभी परिवारों और दोस्तों के साथ है, जो इस भयावह घटना से इतने सारे देशों में प्रभावित हुए हैं, क्योंकि वे अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो इस कठिन समय में सहायता और समर्थन कर रहे हैं।÷ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित कई वैश्विक नेताओं ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। दुर्घटना के बाद स्टार्मर ने एक्स पोस्ट में लिखा, आज का दिन कई ब्रिटिश और भारतीय परिवारों के लिए वाकई दिल दहला देने वाला है। मैं इस भयानक विमान दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। इसके अलावा, यूनाइटेड किंगडम की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन ब्रांच (एएआईबी) और यूनाइटेड स्टेट्स की फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने दुर्घटना के बाद भारतीय अधिकारियों के साथ जांच में मदद की पेशकश की है लंदन जाने वाला बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

श्रीलंका और जर्मनी ने साझा आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा की

एजेंसी

बर्लिन (जर्मनी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जर्मनी की आधिकारिक यात्रा के दौरान कल यहां वाल्डोर्फ एस्टोरिया होटल में जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्री रीम अलाबली-राडोवन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के सामने आने वाली साझा आर्थिक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया। श्रीलंका के अखबार डेली न्यूज की खबर के अनुसार, दिसानायके और राडोवन ने श्रीलंका और जर्मनी के बीच आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के संभावित क्षेत्रों पर व्यापक बातचीत की। राष्ट्रपति ने श्रीलंका और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय सहयोग के दीर्घकालिक इतिहास को स्वीकार किया। साथ ही सीलोन-जर्मन तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण

संस्थानों के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में जर्मनी के महत्वपूर्ण योगदान के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। बैठक में विदेश मामलों, विदेशी रोजगार और पर्यटन मंत्री विजिता हेराथ, जर्मनी में श्रीलंका के राजदूत वरुणी मुथुकुमारना और विदेश मंत्रालय में यूरोप और उत्तरी अमेरिका के महानिदेशक सुगीश्वर गुणरत्ना के साथ अन्य अधिकारी शामिल हुए।

राष्ट्रपति पेजेशकियन ने इजराइल से कहा- ईरान चुप नहीं बैठेगा, 'अपराध' पर पछतावा करना होगा

एजेंसी

तेहरान। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि इस्लामी गणतंत्र ईरान के खिलाफ किए गए 'अपराध' के लिए इजराइल को पछतावा करना होगा। ईरान हरगिज चुप नहीं बैठेगा। वह दंड देगा। इजराइल को इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने देश पर हुए हमले के बाद सरकारी टेलीविजन पर भाषण दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग और फौज इजराइल के इस अपराध के सामने चुप नहीं रहेंगे। वह दुश्मन को उसकी मूर्खतापूर्ण कार्रवाई पर पछतावा करवा कर ही दम लेंगे उन्होंने कहा कि इजराइल ने आक्रामकता की हदें तोड़कर सभी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का उल्लंघन किया है।

जायोनी शासन ने बच्चों का कत्ल कर शांति प्रिय देश के धैर्य की सीमा तोड़ दी है। इस्लामी गणराज्य ने अब तक दुनिया और क्षेत्र में शांति और स्थरिता के लिए हर संभव प्रयास किया है। ईरान अपनी अखंडता की रक्षा करेगा। प्रेस टीवी ईरान के अनुसार, ईरान के रक्षामंत्री अजीज नसीरजादेह ने कहा कि इजराइल से ईरानी सशस्त्र बलों से सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और नागरिकों की हत्या का बदला लिया जाएगा।

ईरान का इजरायल की आवासीय इमारतों पर हमला, दो की मौत, कई लोग घायल

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल-ईरान में बढ़ते तनाव के बीच शनिवार को इजरायल में आवासीय इमारतों पर मिसाइल हमले किए गए, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इनके अलावा 34 लोग घायल हो गए। मेगन डेविड एडोम (एमडीए) आपातकालीन चिकित्सा सेवा ने ईरान की ओर से हाल ही में दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले के बाद हताहतों की संख्या की पुष्टि की है। एमडीए के अनुसार, इन हमलों से भारी क्षति हुई है। मेडिकल टीम घायलों को लाइफ सेविंग ट्रीटमेंट देने के साथ उन्हें नजदीकी अस्पतालों में पहुंचा रही है।

एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एमडीए की टीमों ने लाइफ सेविंग मेडिकल ट्रीटमेंट देकर 21 घायल लोगों को वोल्फसन, शेबा तेल हाशोमर और शमीर-असफ हारोफेह अस्पतालों में पहुंचाया है। हताहतों में 60 वर्षीय महिला थी। उनके अलावा करीब 45 साल के एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश की गई, लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। करीब 60 वर्षीय एक अन्य

महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। दो लोग मामूली रूप से चोटिल हुए हैं, जबकि 16 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। एमडीए ने कहा कि एंग्जायटी से पीड़ित कई लोगों को भी घटनास्थल से निकाला गया है।

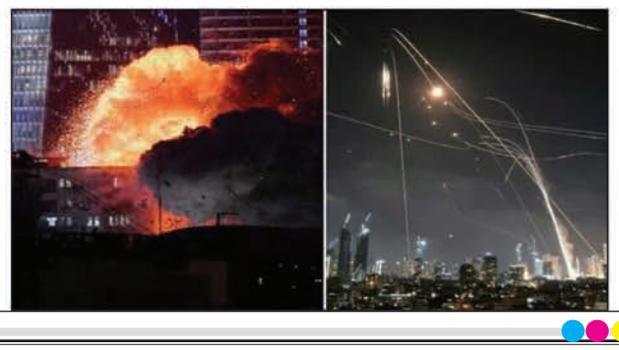

ईरान के प्रमुख महानगरीय क्षेत्र गुश दान में, एमडीए ने 34 घायल व्यक्तियों के इलाज करने और उन्हें अस्पतालों में पहुंचाने की सूचना दी है। इनमें लगभग 60 वर्षीय एक महिला शामिल थी, जिसे गंभीर हालत में बेइलिन्सन अस्पताल भेजा गया, लगभग 65 वर्षीय एक व्यक्ति को गंभीर हालत में शेबा मेडिकल सेंटर, करीब 50 वर्षीय एक महिला को शेबा, जबकि करीब 50 वर्षीय एक व्यक्ति को इचिलोव अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके अलावा 30 अन्य लोग जिन्हें हल्की चोटें आईं, जिनका उपचार किया गया। एंग्जायटी से पीड़ित 13 लोगों को भी यहां से निकाला गया है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि ईरान ने इजरायली क्षेत्र पर मिसाइल हमलों की एक नई लहर शुरू की है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती शत्रुता के हफ्तों के बाद बढ़ते तनाव को दर्शाता है। इजरायली अधिकारियों ने देश को हाई अलर्ट पर रखा है। कई शहरी केंद्रों और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। इजरायली सरकार और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर कड़ी नजर रख रही हैं। आपातकालीन सेवाएं खतरों से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर हैं।

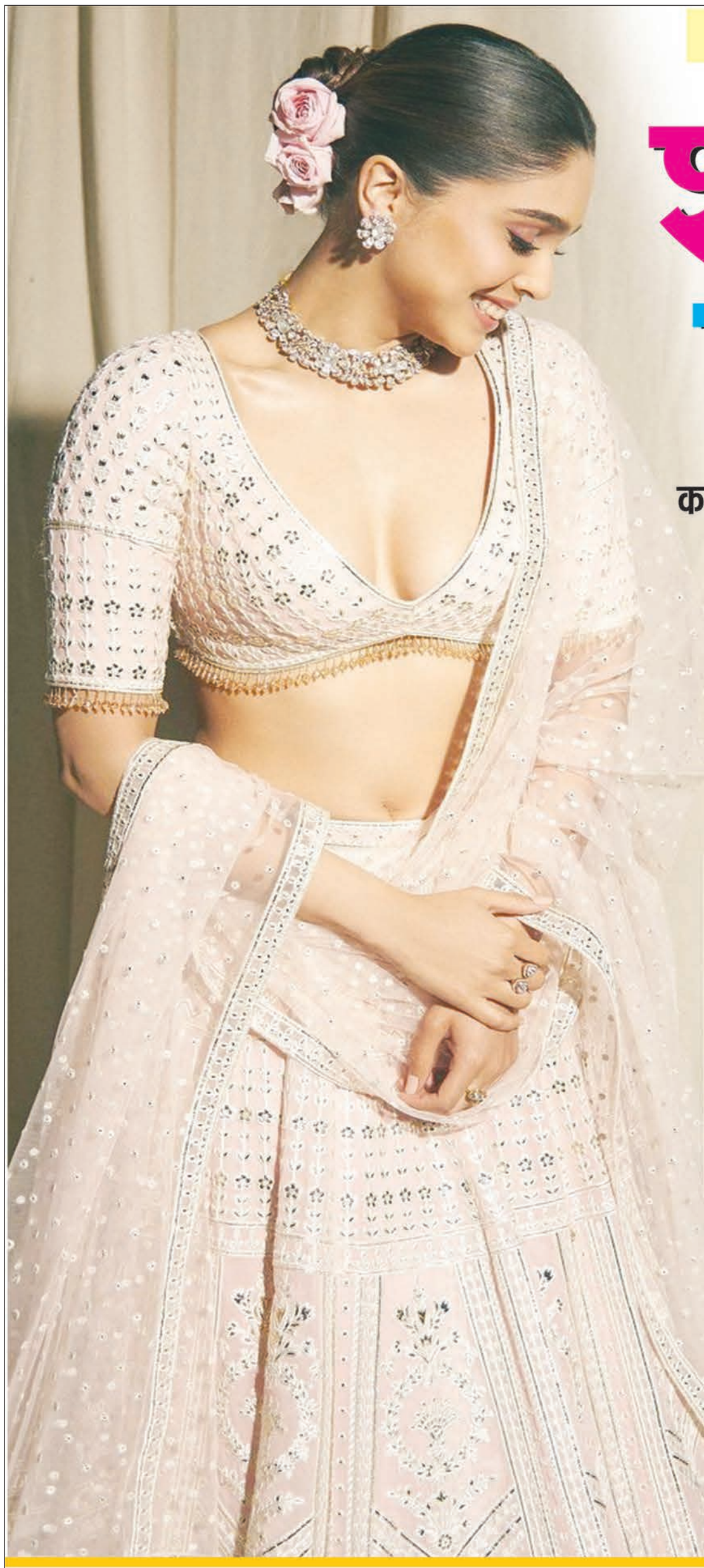

वॉर 2 छोड़िए... आलिया भट्ट

शरवरी वाघ

करेंगी असली 'धमाका', ये तैयारी देख ऋतिक-शाहरुख को भूल जाएंगे!

YRF स्पाई यूनिवर्स की 2 बड़ी फिल्मों पर तेजी से काम हो रहा है. जहां पहली फिल्म है- WAR 2. 14 अगस्त को यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर NTR भिड़ते हुए नजर आएंगे. फिल्म का कुछ वक्त पहले ही टीजर आया था, जिसे मिलाजुला रिस्पॉन्स मिला. इसे यूनिवर्स की सबसे महंगी फिल्म कहा जा रहा है. जो आने वाली फिल्मों के लिए मंच सेट करेगी. वहीं साल के आखिर में Alia Bhatt और Sharvari Wagh आ रही हैं, जो फिल्म में बॉबी देओल से भिड़ेंगी. पर उससे भी बड़ा धमाका फिल्म में दोनों मिलकर करने वाली हैं.YRF स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में शो स्टॉपिंग ट्रैक सुनने को मिले हैं. बात War के 'जय जय शिवशंकर' की हो या फिर 'पठान' के 'झूमे जो पठान' की. दोनों ही गानों ने खूब धूम मचाई. पर अब शाहरुख खान और ऋतिक रोशन को टक्कर देने के लिए आलिया भट्ट आ रही हैं. फिल्म में किसके साथ स्पेशल डांस नंबर करेंगी ? जानिए.

आलिया-शरवरी करेंगे असली 'धमाका'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, YRF की पहली स्पाई फिल्म ALPH में एक डांस सीक्वेंस होने वाला है. जिसे मैसिव स्केल पर तैयार किया जा रहा है. कहा जा रहा है कि यह फिल्म का अहम हिस्सा होगा. पिछले 2 महीने से आलिया भट्ट और शरवरी वाघ इस डांस नंबर के लिए तैयारियां कर रहे हैं. यह तैयारी मुंबई के YRF स्टूडियो में चल रही है. दरअसल दोनों एक्ट्रेस इस वक्त कड़ी ट्रेनिंग कर रही हैं. न सिर्फ अपने डांस के लिए बल्कि फिटनेस को अचीव करने के लिए.'अल्फा' में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ इस अंदाज में दिखेंगी, जैसे पहले न देखी गई हो. दरअसल दोनों का लक्ष्य है ऐसा परफॉर्मेंस देना, जो YRF स्पाई यूनिवर्स के ग्रैंड स्केल को मैच कर सके. हालांकि, यह फिल्म इस यूनिवर्स के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि पहली बार फीमेल स्पाई फिल्म बड़े पर्दे पर धूम मचाएगी. फिल्म इसी साल क्रिसमस पर रिलीज होगी. यह यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है.

बॉबी से भिड़ेंगी आलिया-शरवरी वाघ

इस फिल्म में बॉबी देओल खूंखार विलेन बनकर आलिया भट्ट की मुश्किलें बढ़ाते नजर आएंगे. वहीं, वो शरवरी वाघ के साथ एक्शन करती दिखेंगी. वहीं अनिल कपूर बतौर रॉ चीफ फिल्म में होंगे.ऐसी खबरें हैं कि ऋतिक रोशन का पिक्चर में कैमियो होगा.

'स्काई फोर्स' तो फ्लॉप हो गई, लेकिन अक्षय कुमार-वीर ऐसे जीत लिया लोगों का दिल

इस साल की शुरुआत में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म 'स्काई फोर्स' रिलीज हुई थी. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तो खास कमाल नहीं दिखाया, लेकिन असल जिंदगी में फिल्म के एक्टर्स ने कुछ ऐसा कर दिया, जिसे भुला पाना मुश्किल होगा. ये फिल्म स्क्वाड्रन लीडर एबी देवय्या की कहानी को दिखाती है, जिसका किरदार वीर पहाड़िया ने निभाया था. इसी फिल्म से एक्टर ने डेब्यू किया है. वहीं अक्षय कुमार ने फिल्म में ग्रुप कैप्टन ओपी तनेजा का किरदार निभाया.स्क्वाड्रन लीडर एबी देवय्या की कहानी को बड़े पर्दे पर लोगों के सामने लाने के साथ ही साथ उन्होंने एबी देवय्या की फैमिली के लिए भी बड़ा काम किया है. इस बात की जानकारी हाल ही में एबी देवय्या की बेटी प्रिथा देवय्या ने दी है. दरअसल, एबी देवय्या एकमात्र ऐसे इंडियन एयर फोर्स ऑफिसर थे, जिनको डेथ के बाद महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था. लेकिन, जब वीर और अक्षय को परिवार के साथ बातचीत के वक्त पता लगा कि महावीर चक्रचोरी हो गया है, तो उन्होंने बड़ा कदम उठाया.

बेटी ने की पोस्ट किया शेयर

जब एक्टर्स को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने महावीर चक्र को ढूंढ के निकाला और परिवार को सौंप दिया. हाल ही में एबी देवय्या की बेटी ने अपने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है. उन्होंने दोनों एक्टर्स को धन्यवाद देते हुए लिखा कि जिस वक्त वीर 'स्काई फोर्स' की शूटिंग के वक्त घर आए थे, उस दौरान उन्हें मेडल के गायब होने का पता लगा था, जिसके बाद उन्होंने औप अक्षय कुमार ने इस मामले में हमारी मदद की और इस कीमती मेडल को वापस ला दिया.

जनवरी में रिलीज हुई थी फिल्म

'स्काई फोर्स' 24 जनवरी, 2025 को रिलीज हुई थी, इस फिल्म को अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने डायरेक्ट किया था. फिल्म ने तारीफ तो काफी बटोरी, लेकिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई नहीं की थी. ये फिल्म 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के जवाबी हमले पर बेस्ड है. फिल्म में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया के साथ सारा अली खान और निम्रत कौर शामिल थीं.

विमान हादसे में मारी गई अभिनेत्री जुबैदा बेगम की कहानी... श्याम बेनेगल की फिल्म में करिश्मा कपूर ने निभाया था किरदार

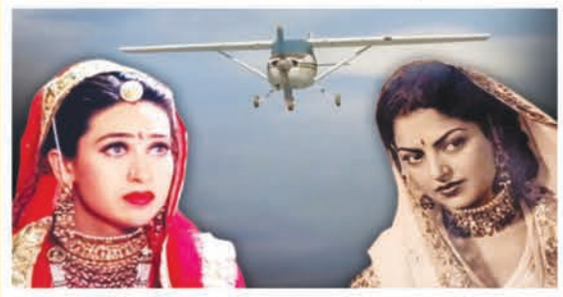

कुछ हादसे ऐसी निशानियां छोड़ जाते हैं जिनकी कहानियां कभी पीछा नहीं छोड़तीं. अहमदाबाद विमान हादसे की परछाईं जल्द मिटने वाली नहीं. चीख, पुकार, सिसकियां, आंसू और मौत का मंज़र्ज भूलना नामुमकिन है. हर मौत एक कहानी. इतिहास में ऐसे कई दिल दहला देने वाले हादसे हुए हैं. यकीनन ये हादसे जख्म कुरेदते हैं. उन्हीं में एक कहानी भारतीय फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री जुबैदा बेगम की भी है. चालीस के दशक में जुबैदा बेगम एक ऐसी अदाकारा थी, जिसके साहस और सौंदर्य इतिहास की इबारत हैं. उनका निधन भी एक खतरनाक विमान हादसे में हो गया था. जिसकी चर्चा सालों बाद आज भी की जाती है.

इस हादसे पर भी कई सवाल उठे हैं. क्या वह हादसा था या कि कोई साजिश ? अमूमन हर हादसा यही सवाल छोड़ जाता है. उस हादसे में जुबैदा बेगम के पति, जोकि जोधपुर के महाराजा थे, वो भी मारे गए थे. एक कहानी जो पूरी होने से पहले की खत्म हो गई और कई सवालों को जन्म दे गई. वह सवाल आज भी रहस्य का साया बनकर अक्सर जेहन में कौंध जाता है. आखिर उस दिन विमान में क्या-क्या हुआ था. यहां तक कि जोधपुर के महल में एक भटकती आत्मा के बारे में भी कहानी सुनी सुनाई गईं. जितने लोग, उतनी ही बातें.

पहली बोलती फिल्म आलम आरा में काम किया था

गौरतलब है कि जुबैदा बेगम हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री थीं, उन्होंने हिंदी की कई फिल्मों में काम किया था. वह मूक फिल्मों के दौर में भी अभिनय करती थीं, रोल छोटे हों या बड़े- वह उसे पूरी शिद्दत से निभाती. लेकिन फिल्मी लाइफ के अलावा भी उसकी पर्सनल लाइफ थी. जिसके बारे में घर में हर किसी को नहीं मालूम था. यहां तक कि उसका अभिनय प्रेम उसके पिता को भी नहीं मालूम था. बल्कि वह तो फिल्मों में काम करने के सख्त खिलाफ थे. तमाम विरोध के बावजूद जुबैदा बेगम अपनी जुस्तजू और जज्बात के लिए स्पेस बना ही लेती थी. यही उसकी पर्सनाल्टी की सबसे बड़ी खासियत थी.

श्याम बेनेगल ने बनाई फिल्म, करिश्मा कपूर ने निभाया रोल

वास्तव में जुबैदा बेगम की रहस्यों से भरी उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी अपने आप में एक फिल्मी कहानी थी, और यही वजह है कि प्रसिद्ध फिल्मकार श्याम बेनेगल ने साल 2001 में उन पर एक फिल्म बनाई, नाम रखा- जुबैदा. नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली यह फिल्म श्याम बेनेगल की फिल्मोग्राफी में अलग ही स्थान रखती है, जो कि मम्मो और सरदारी बेगम की नई कड़ी थी लेकिन जुबैदा के किरदार में करिश्मा कपूर के लिए यह एक ऐतिहासिक मौका था.

अनेरी वजानी

'अनुपमा' फेम इस एक्ट्रेस पर टूटा दुखों का पहाड़, पहले दोस्त और अब इस करीबी ने दुनिया को कहा अलविदा

पॉपुलर टीवी शो 'नुपमा' के जरिए रुपाली गांगुली के अलावा और भी कई कलाकारों ने काफी खास पहचान बनाई है. एक नाम एक्ट्रेस अनेरी वजानी का भी है. उन्हें इस शो में काफी पसंद किया जाता था. अब उनको लेकर एक बुरी खबर सामने आई है. दरअसल, उनकी दादी निर्मला वजानी का निधन हो गया है. अनेरी अपनी दादी के काफी क्लोज थीं. अचानक सामने आई इस दुखद खबर से अनेरी अंदर से टूट चुकी हैं.

अनेरी ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी दादी के निधन की जानकारी दी है. उन्होंने 12 जून को को इस दुनिया को अलविदा कहा. 13 जून की सुबह मुंबई के कांदिवली वेस्ट इलाके में उनका अंतिम संस्कार हुआ. 13 जून को अनेरी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक कर देने वाला पोस्ट भी शेयर किया.

अनेरी ने दादी के साथ शेयर की खूबसूरत तस्वीर

अनेरी ने अपनी दादी के साथ एक तस्वीर शेयर की. फोटो में दोनों दादी-पोती एक दूसरे के साथ मुस्कुराते नजर आ रही हैं. अनेरी की दादी ने उनका हाथ पकड़ रखा है. दोनों एक दूसरे के साथ काफी खुश नजर आ रही हैं. ये तस्वीर ये जाहिर करता है कि वो अपनी दादी के कितने क्लोज थीं. इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, अब मैं आपके बिना क्या करूंगी.

कुछ समय पहले दोस्त ने कहा अलविदा

कुछ समय पहले ही अनेरी के दोस्त और एक्टर विभु राघव ने भी इस दुनिया को अलविदा कह दिया. 3 जून को विभु राघव का कैंसर की वजह से निधन हो गया था. अनेरी और विभु एक दूसरे के काफी अच्छे दोस्त थे. वो अभी दोस्त के जाने के सदमे से बाहर भी नहीं निकल पाई थीं और अब उनकी दादी ने उनका साथ छोड़ दिया.

'अनुपमा' में अनेरी वजानी का किरदार ?

अनेरी वजानी टीवी शो 'अुनपमा' में रुपाली गांगुली की ननद और अनुज कपाड़िया यानी एक्टर गौरव खन्ना की बहन का रोल निभाती थीं. उनके किरदार का नाम मालविका था. इस रोल में लोग उन्हें काफी पसंद करते थे.

सोनू सिंघल ने किया दिल्ली के टैगोर गार्डन में All Day Market' स्टोर का भव्य शुभारंभ!

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के टैगोर गार्डन में आज उस समय खास रौनक देखने को मिली, जब बहुप्रतीक्षित All Day Market सुपर स्टोर का भव्य उद्घाटन बड़ी धूमधाम से किया गया। सोनू सिंघल के नेतृत्व में शुरू किए गए इस सुपर स्टोर का उद्देश्य ग्राहकों को एक ही छत के नीचे रोजमर्रा की जरूरतों का हर सामान बेहतरीन क्वॉलिटी और आकर्षक डिस्काउंट्स के साथ उपलब्ध कराना है। इस स्टोर में ग्राहकों को मिलेगा आटा, नमकीन, बिस्किट, तेल, ड्राय फूड्स, कॉस्मेटिक्स, ग्रोसरी और घरेलू उपयोग की तमाम जरूरी चीजें वो भी एक ही स्थान पर, और बेहद किफायती दामों पर।इस भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में पारंपरिक तिलक और ढोल-नगाड़ों से मेहमानों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे कई गणमान्य अतिथि जिनमे दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, बीजेपी नेता राजीव बब्बर, राजौरी गार्डन की काउंसलर शशि तलवार, पंजाबी बाग की काउंसलर सुमन , और अन्य कई सामाजिक-राजनीतिक हस्तियाँ शामिल हुई सभी अतिथियों ने सोनू सिंघल को इस प्रेरणादायक पहल के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और टैगोर गार्डन निवासियों के लिए इसे एक शानदार सुविधा बताया। सोनू सिंघल ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि अ'' **All Day Market** का उद्देश्य सिर्फ बिक्री नहीं, बल्कि गुणवत्ता, विश्वास और सुविधा देना है। अब टैगोर गार्डन के लोगों को अपनी रोजमर्रा की खरीदारी के लिए कहीं और भटकने की जरूरत नहीं।

आजादपुर मंडी शिमला गेट पर स्कूटी सवार संदिग्ध चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली। थाना महिंद्रा पार्क की पुलिस टीम ने आजादपुर शिमला मंडी गेट से एक ऐसे स्नैचर को दौड़कर पकड़ा है जो पलक झपकते ही मोबाइल फोन बाइक स्कूटी लोगों से नगदी झपटकर नौ दो ग्यारह हो जाता था।

आरोपी की पहचान (34 वर्षीय) सतपाल उर्फ सत्यनाश निवासी जहांगीरपुरी जी ब्लॉक झुग्गी के रूप में हुई है। दरअसल आजादपुर मंडी में आए दिन ट्रैकों से चोरी ड्राइवर से चाकू की नोक पर मोबाइल झपट मारी और नगदी की लूटपाट के चलते एसीपी रामबीर सिंह लामा के आदेश अनुसार थाना प्रभारी विजय संनवाल के नेतृत्व में चौकी इंचार्ज एसआई सचिन ने आजादपुर मंडी चौकी स्टाफ को मंडी के चप्पे-चप्पे पर तैनात किया हुआ है।

उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि आजादपुर मंडी शिमला गेट पर हेड कांस्टेबल अजय और कांस्टेबल दशरथ गश्त कर रहे थे। तभी उन्होंने गेट के बाहर देखा कि एक स्कूटी सवार संदिग्ध आ रहा है, पुलिस टीम को संदेह हुआ तो उसे रूकने का इशारा किया,लेकिन शातिर दिमाग संदिग्ध पुलिस को चकमा देकर शालीमार बाग अंडरपास की और भागने लगा। इस दौरान दोनों पुलिस जवानों ने उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर दबोच लिया। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो स्कूटी की डिग्गी से महंगे महंगे चार मोबाइल फोन मिले,पुलिस ने स्कूटी की छानबीन की तो वह चोरी की निकली आरोपी पहले भी लूटपाट चोरी डकैती के तीन मामलों में शामिल रहा है,फिलहाल पुलिस की आरोपी से पूछताछ लगातार जारी है।

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर शहीदों के परिजनों को सम्मान

नई दिल्ली । कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय सेना ने 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों के बलिदान को सम्मान देने के लिए एक विशेष आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया है।

इस पहल के तहत सेना के जवान शहीदों के परिजनों से मिलकर उन्हें सम्मानित करेंगे और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत एक विशेष सेना प्रतिनिधिमंडल देश भर में शहीदों के पैतृक स्थानों का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल में एक अधिकारी, एक जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) और तीन अन्य रैंक के जवान शामिल हैं।

यह टीम शहीदों के परिजनों को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित करेगी। प्रत्येक परिवार को एक स्मृति चिह्न और जनरल ऑफिसर कमांडिंग की ओर से आभार का एक पत्र सौंपा जाएगा। भारतीय सेना और राष्ट्र अपने वीर सैनिकों की यादों को हमेशा संजोए रखेगा।

इसी कड़ी में 13 जून को कैप्टन आशुतोष तोमर के नेतृत्व में सेना की एक टीम ने केरल के कन्नूर में शहीद कैप्टन के.सी. प्रीतम कुमार (141 फील्ड रेजिमेंट) की मां प्रमिला बालाकृष्णन के घर का दौरा किया।

टीम ने उन्हें स्मृति चिह्न और आभार पत्र भेंट किया।

प्रीतमपुरा में चाकू दिखाकर बदमाशों ने गार्ड से 10 हजार छीने,पुलिस ने नाबालिग समेत 3 दबोचे

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के पीतमपुरा डिस्ट्रिक्ट पार्क के पास मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने गार्ड पर चाकू से हमला कर दिया और 10 हजार रुपये लूट कर फरार हो गए। इलाज के लिए गार्ड को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बाबत दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपित की पहचान की और नाबालिग समेत तीन युवकों को दबोच लिया।

उत्तर-पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि सुभाष प्लेस थाना पुलिस को लूट की पीसीआर काल प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस घटनास्थल जिला पार्क, मेन रोड, एनएसपी से कोहाट एनक्लेव, पीतमपुरा, पर पहुंची। वहां पहुंचने पर पता चला कि घायल व्यक्ति को भगवान महावीर अस्पताल, पीतमपुरा भेजा गया है। अस्पताल में घायल की पहचान (54 वर्षीय) मोहम्मद सबील के रूप में हुई। मोहम्मद सबील ने बताया कि वह एक नाइट गार्ड के रूप में ड्यूटी करता है और एक ठेला भी चलाता है। वह पिछले 14 वर्षों से दिल्ली में रह रहा है।

घायल गार्ड ने बताया कि रात करीब साढ़े 11 बजे, जब वह पीतमपुरा की जिला पार्क के पास था, तभी तीन अज्ञात युवक जो मोटरसाइकिल पर सवार थे, वे आए और उसके हाथ में चाकू मारकर उसकी जेब से 10 हजार रुपये लूट कर भाग गए। डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय सूचना के आधार पर तीन संदिग्धों की पहचान की गई और उन्हें पकड़ लिया गया है। आरोपित की पहचान अंकित निवासी राजधानी एन्क्लेव और सौरव निवासी महिंद्रा पार्क के रूप में हुई। तीसरा आरोपित नाबालिग है। पुलिस की तलाशी के दौरान चौतीस सौ रुपये और चोरी की मोटरसाइकिल व खून से सना चाकू बरामद किया गया है। जांच में पता चला कि मोटरसाइकिल थाना विजय विहार, रोहिणी से चोरी की थी।

भाजपा राज में दिल्ली के कई इलाकों में नहीं मिल रहा दिल्ली जल बोर्ड का पानी

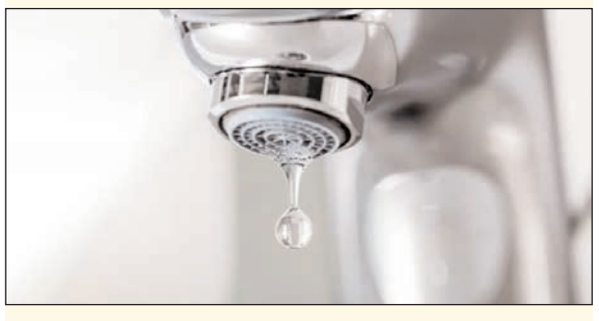

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद ही से जल संकट गहराने लगा है। आपको बता दें कि दिल्ली में चिलचिलाती धूप से भीषण गर्मी ऊपर से दिल्ली जल बोर्ड का पानी न आने से दिल्ली की जनता त्रस्त है। हालाँकि दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक वजीराबाद और चंद्रावल जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) से पानी की आपूर्ति कम होने के कारण दिल्ली के कई इलाकों में लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों संयंत्रों को हरियाणा से कम कच्चा पानी मिल रहा है,जिससे समस्या पैदा हो गई है। वजीराबाद जलाशय का सामान्य जलस्तर 674.50 फीट होना चाहिए। हरियाणा से कम पानी मिलने के कारण यह घटकर 668.70 फीट रह गया है। यह जलाशय वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल शोधन संयंत्रों को पानी उपलब्ध कराता है। जल बोर्ड के अनुसार, "वजीराबाद और चंद्रावल डब्ल्यूटीपी को आवश्यक कच्चे पानी की आपूर्ति बनाए रखने में कठिनाई हो रही है और इसके परिणामस्वरूप पीने योग्य पानी की आपूर्ति में कमी आ रही है।

दिल्ली: डीपीएस द्वारका के खिलाफ अभिभावकों का प्रदर्शन, सरकार से स्कूल को टेकओवर करने की मांग

नई दिल्ली । दिल्ली के प्रतिष्ठित स्कूल डीपीएस द्वारका से 31 बच्चों के नाम काटने का विवाद खत्म नहीं हो रहा है। बच्चों के नाम वापस नहीं लिए जाने पर अभिभावक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को सैकड़ों की संख्या में अभिभावकों ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और स्कूल प्रशासन के रवैये की कड़ी निंदा की।

हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद डीपीएस द्वारका स्कूल ने अब तक उन 31 छात्रों के नाम बहाल नहीं किए हैं, जिन्हें मनमानी फीस न भरने पर निष्कासित कर दिया गया था। जंतर मंतर पर जुटे अभिभावकों ने पोस्टर और बैनरों के जरिए स्कूल प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।

अभिभावकों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने छात्रों के निष्कासन को रद्द कर उन्हें फिर से स्कूल में शामिल करने का आदेश दिया था, लेकिन डीपीएस द्वारका ने अब तक छात्रों को न तो क्लास में दाखिल होने दिया, न ही होमवर्क दिया और न ही शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल किया।

एक अभिभावक सोमेंद्र यादव ने कहा कि मेरे बच्चे इस स्कूल में पढ़ते हैं। डीपीएस द्वारका स्कूल में बच्चों का शोषण हो रहा है, उसके खिलाफ हम लोग प्रदर्शन करने आए हैं। डीपीएस द्वारका हाईकोर्ट और सरकार के किसी ऑर्डर को नहीं मान रहा है। सरकार की ओर से 15 आदेश आए, कोई पालन अभी तक नहीं किया। हमारी मांग है कि डीपीएस द्वारका स्कूल को सरकार अपने हाथों में ले।

उन्होंने कहा, "हम शिक्षा मंत्री से मिल चुके हैं। अपनी मांग रख चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने जिलाधिकारी के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई थी। जांच में स्कूल की लाइब्रेरी में बच्चों को पकड़कर रखने की घटना सामने आई। वाइस-चांसलर की अध्यक्षता में भी एक कमेटी बनी थी, जिसने स्कूल प्रशासन को गलत ठहराया था। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर हमें कोई राहत नहीं मिली है। बच्चों का उत्पीड़न लगातार जारी है।"

NEET UG 2025 के नतीजे घोषित : रिजल्ट से पहले फजीर्वाड़े का सीबीआई ने किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। देशभर के लाखों मेडिकल अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा शुक्रवार को NEET UG 2025 का रिजल्ट जारी कर दिया गया। इसी बीच परीक्षा परिणामों से जुड़ा एक बड़ा फजीर्वाड़ा भी उजागर हुआ है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्होंने परीक्षा में नंबर बढ़ाने का झांसा देकर अभ्यर्थियों

विदेशी निवेशकों ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346 करोड़ रुपए से अधिक का किया निवेश

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और इसी के साथ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपए का निवेश किया।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों, 9 जून से 13 जून के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में सक्रिय खरीदार रहे।

बाजार में सकारात्मक माहौल मुख्य रूप से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने के फैसले से जुड़ा था, जिसे कई लोगों ने आर्थिक विकास को समर्थन देने और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा।

बाजार विशेषज्ञों का मानना ??है कि ब्याज दरों में इस आश्चर्यजनक कटौती ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि यह केंद्रीय बैंक के विकास समर्थक दृष्टिकोण को दशार्ता है।

6 जून को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय का निवेशकों ने स्वागत किया है। निवेशकों ने इसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कॉर्पोरेट आय में सुधार के लिए समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना।

एक ओर जहां वैश्विक कारक बाजार की गतिविधियों को प्रभावित करना जारी रखते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत अपनी मजबूत बुनियादी बातों, नीति समर्थन और बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपए निवेश किए, जिससे यह विदेशी निवेश के लिए साल का अब तक का सबसे अच्छा महीना बन गया।

इस बीच, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और यह आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर समाप्त हुआ।

हालांकि सप्ताह की शुरूआत अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण सकारात्मक रही, लेकिन इजरायल द्वारा ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमले करने के बाद यह आशावाद जल्दी ही खत्म हो गया।

जहांगीरपुरी की सड़कों पर खुले सीवर के ढक्कन से मंडरा रहा है खतरा,नींद से नहीं जागे अफसर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी आई ब्लॉक झौड़ वाला पार्क चौड़े रोड की सड़कों पर इस तरह के हालात बने हुए हैं, लेकिन निगम, दिल्ली पुलिस व पीडब्ल्यूडी को कुछ भी नजर नहीं आ रहा हैं। दरअसल हनुमान मंदिर के सामने सीवर का ढक्कन काफी समय से टूटा पड़ा है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जब भी कोई बाहर में ढक्कन के ऊपर से गुजरता है तो बड़ी तेज से एक आवाज आती है ऐसा लगता है कि किसी वाहन का टायर फस गया हो।

हालाँकि मंदिर के सामने से हर रोज जल बोर्ड सीवर लाइन के कर्मचारियों का यहां से आना-जाना लगा रहता है। इतना ही नहीं सीवर की सफाई करने वाले कर्मचारी और जल बोर्ड की गाड़ी इसी मंदिर पर सीवर के टूटे ढक्कन के पास ही आए दिन खड़ी होती है। लेकिन कोई भी कर्मचारी टूटे ढक्कन की सुध लेने वाला नहीं है,लगता है पीडब्ल्यूडी जल बोर्ड कर्मचारी किसी बड़े हादसे के इंतजार में बैठे हैं। इस चोरी सड़क पर संजय एंक्लेव फ्लैट से लेकर आई ब्लॉक व जे ब्लॉक तक के सीवर और ढक्कन गड्ढे का रूप ले लिया है। ऐसे में इन सीवरों की सड़क के बराबर समतल मरम्मत होगी, तब ही सड़क की दुर्दशा संभल पाएगी।

हमारी अर्थव्यवस्था विश्वास-आधारित शासन के साथ नई ऊंचाइयों को छू सकती है : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत पिछले 11 वर्षों में स्ट्रक्चरल सुधारों ने भारत के व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को नया आकार दिया है।वित्त मंत्री ने एक मीडिया आर्टिकल में लिखा कि भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना कई अनुकूल कारकों पर आधारित है। साथ ही यह अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे बैंकों, कॉरपोरेट्स, परिवारों, सरकार और एक्सटर्नल सेक्टर की बैलेंस शीट को मजबूत करने के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। वित्त मंत्री सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "पिछले 11 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का 'ट्विन डेफिसिट प्रॉब्लम से फाइव-बैलेंस शीट लाभ' तक परिवर्तन पीएम मोदी के नेतृत्व में ठोस नीतिगत प्रयासों का परिणाम है।" उन्होंने आगे कहा कि "जब हम 2014 में सत्ता में आए तो हमारी सबसे पहली प्राथमिकता विकास को पुनर्जीवित करना था। जीएसटी, आईबीसी, आरईआरए और महामारी के वर्षों के दौरान, पीएलआई योजना और ईसीएलजीएस जैसे संरचनात्मक सुधार पेश किए गए, ताकि क्रेडिट-योग्य एमएसएमई को कोरोना से उबरने में मदद मिल सके।"

वित्त मंत्री ने अपने आर्टिकल में बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में पूंजी निवेश जीडीपी के 1.7 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 3.2 प्रतिशत हो गया।

11 वर्षों में, 88 हवाई अड्डों का संचालन किया गया, 31,000 किलोमीटर रेल पटरियां बिछाई गईं, मेट्रो नेटवर्क का चार गुना से अधिक विस्तार किया गया, बंदरगाह की क्षमता दोगुनी हो गई और राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 60 प्रतिशत बढ़ गई। वित्त मंत्री ने अपने आर्टिकल में भारत की गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण प्रगति को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने विश्व बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने पिछले दशक में अपनी अत्यधिक गरीबी दर को कम करने में प्रगति की है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397